दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

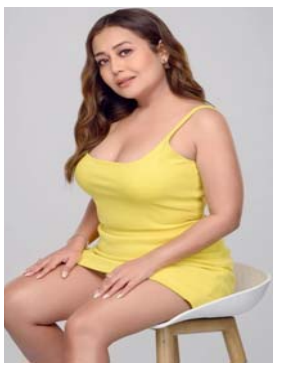

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 38 | ग्वालियर, रविवार 20 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

तीन माह से लंबित राजस्व प्रकरणों का 31 अक्टूबर तक करें निराकरणः कलेक्टर

ग्वालियर । आरसीएमएस (रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम) में तीन माह से दर्ज सभी नामांतरण, बटवारा व सीमांकन प्रकरणों का हर हाल में 31 अक्टूबर तक निराकरण सुनिश्चित करें। यह काम अभियान बतौर किया जाए, इसमें कोई ?िलाई न हो। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को दिए। उन्होंने राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत प्राथमिकता के साथ किसानों की ÷फार्मर आईडी÷ बनवाने के निर्देश भी बैठक में दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विशेष जोर देकर कहा कि जिले के सभी पटवारी हर मंगलवार को अपने हलके की ग्राम पंचायत में मौजूद रहकर ग्रामवासियों की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। यदि किसी पटवारी के पास अतिरिक्त हलका है तो वह अगले दिन यानि बुधवार को वहाँ के ग्राम पंचायत भवन में समस्याओं के निराकरण के लिए उपस्थित रहें। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार अपने क्षेत्र में यह व्यवस्था सुनिश्चित कराएँ। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि सभी एसडीएम व तहसीलदार विशेष रूचि लेकर और अभियान बतौर शेष पात्र किसानों की ई-केवायसी का कार्य कराएँ, जिससे इन किसानों को भी पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ मिल सके।

नब्ज पर हाथ

-अजीत द्विवेदी

महाराष्ट्र आसान नहीं है

हरियाणा ने हवा बदल दी है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कहा जा रहा था कि चार राज्यों का विधानसभा चुनाव डन डील है। यानी चारों राज्यों में भाजपा हारेगी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन 'इंडिया' की जीत होगी। हर राजनीतिक विश्लेषक और चुनाव रणनीतिकार दावा कर रहा था। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता भी यही मान रहे थे। जम्मू कश्मीर व हरियाणा के मतदान के बाद आए एक्जिट पोल के नतीजे भी इसी भावना के अनुरूप थे। लेकिन नतीजों ने सब कुछ बदल दिया। हरियाणा में तमाम अनुमानों के उलट भाजपा ने बहुत बड़ी जीत दर्ज की। उसके वोट प्रतिशत में 2014 के मुकाबले सात फीसदी और 2019 के मुकाबले करीब चार फीसदी की बढ़ोतरी हुई और उसने 2014 से भी ज्यादा सीटें जीतीं। जम्मू कश्मीर में नतीजा भाजपा के मनमाफिक नहीं रहा लेकिन उसका वोट शेयर और सीटें दोनों में बढ़ोतरी हुई।

इन दोनों नतीजों के बाद भाजपा को लेकर सारी धारणा बदल गई है। हरियाणा में भाजपा ने दिखाया है कि नतीजे लोकप्रिय अनुमानों के अनुरूप आएं, ऐसा जरूरी नहीं है। आखिरी सांस तक लड़ कर और सारे दांवपेंच आजमा कर चुनाव जीता जा सकता है। इसके लिए 'स्ट्रेटेजिक' और 'टैक्टिकल' दोनों उपाय आजमाने की जरुरत होती है, जो हरियाणा और जम्मू कश्मीर में भाजपा ने आजमाए। तभी अब महाराष्ट्र और झारखंड का चुनाव पूरी तरह से खुल गया है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में जिस तरह से कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी ने प्रदर्शन किया उससे लग रहा था कि विधानसभा चुनाव में मुकाबला एकतरफा होगा। इसी तरह झारखंड में भी जैसे भाजपा की सीटें कम हुईं और वह आदिवासियों के लिए आरक्षित सभी सीटें हार गई उससे भी यह धारणा बनी कि सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस और राजद गठबंधन के लिए मुकाबला बहुत आसान होगा। लेकिन चुनाव की घोषणा तक आते आते दोनों राज्यों में यह धारणा बदल गई है। अब कहीं भी एकतरफा मुकाबले की बात नहीं हो रही है। यहां तक कि चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले सोमवार, 14 अक्टूबर को मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की तो राहुल ने प्रदेश के नेताओं से एक ही बात कही कि, देखिएगा कहीं महाराष्ट्र हरियाणा न हो जाए।

सोचें, इस जुमले पर। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जुमला बोला था। उन्होंने कहा था कि हरियाणा कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश होने जा रहा है। गोरतलब है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीत के इतने भरोसे में थी कि चुनाव लड़ने की बजाय कमलनाथ शपथ ग्रहण की तैयारियां कर रहे थे और वहां भाजपा दो तिहाई बहुमत से जीती। उसी तरह हरियाणा में चुनाव लड़ने की बजाय भूपेंद्र सिंह हुड्डा शपथ की तैयारी कर रहे थे और भाजपा पिछले दो चुनावों से ज्यादा वोट और सीटों के साथ चुनाव जीत गई। अब राहुल गांधी को चिंता है कि महाराष्ट्र कहीं हरियाणा न हो जाए। यानी जैसे हरियाणा मध्य प्रदेश हुआ वैसे ही महाराष्ट्र हरियाणा भी हो सकता है। यह चिंता अनायास नहीं है, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के नतीजों के बाद यह चिंता वास्तविक हो गई है।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के पार्टी के गठबंधन यानी महा विकास आघाड़ी को 48 में से 31 सीटें मिलीं और भाजपा का गठबंधन महायुति 17 सीटों पर सिमट गया। यह स्पष्ट रूप से महा विकास अघाड़ी के एडवांटेज की तस्वीर है। लेकिन वोट प्रतिशत में नजदीकी मुकाबला है। भाजपा गठबंधन को करीब 41 फीसदी और कांग्रेस गठबंधन को करीब 44 फीसदी वोट मिले हैं। यानी तीन फीसदी वोट का अंतर है। इसमें भी भाजपा अपना 26 फीसदी के आसपास का वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। ध्यान रहे 2014 से अभी तक के पांच चुनावों में चाहे वह शिव सेना के साथ लड़ी या उससे अलग लड़ी, उसको हर बार 25 से 27 फीसदी वोट मिले। शिव सेना टूटने के बाद जो पहला चुनाव हुआ यानी 2024 का लोकसभा चुनाव उसमें उद्धव ठाकरे की शिव सेना 21 सीटों पर लड़ी और नौ सीट जीती। उसको 16.52 फीसदी वोट मिले। दूसरी ओर एकनाथ शिंदे की शिव सेना 15 सीटों पर लड़ी और सात पर जीती। उसे 13 फीसदी वोट मिले। यानी शिंदे की शिव सेना का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा। शिव सैनिकों ने उनका साथ नहीं छोड़ा। हो सकता है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए शिव सैनिक उनके साथ गए हों और विधानसभा में उनका मतदान व्यवहार अलग हो। लेकिन कम से कम लोकसभा चुनाव के आंकड़ों से तो नहीं लग रहा है कि शिंदे की शिव सेना बहुत कमजोर है। महायुति की कमजोर कड़ी अजित पवार की पार्टी है।

स्थायी वोट प्रतिशत के अलावा अगर दूसरे पहलुओं को देखें तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद महायुति की सरकार ने जितने उपाय किए हैं उनसे भी मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना बढ़ गई है। राज्य सरकार ने महिलाओं को लड़की बहिन योजना के तहत डेढ़ हजार रुपया हर महीना देना शुरू किया है। यह बहुत महत्वाकांक्षी योजना है, जो कर्नाटक से लेकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक में सफल साबित हुई है। इस पर राज्य सरकार का हर साल 46 हजार करोड़ रुपया खर्च होना है। इसके अलावा राज्य सरकार ने लाड़ला भाई योजना शुरू की है, जिसके तहत 12वीं पास युवाओं को छह हजार रुपए, डिप्लोमा धारी युवाओं को आठ हजार और डिग्रीधारी युवाओं को 10 हजार रुपए महीने की मदद दी जाएगी। इस तरह महिला और युवा दो समूहों को साधने का प्रयास हुआ है। इस बीच केंद्र सरकार ने एकीकृत पेंशन व्यवस्था और आयुष्मान भारत योजना में 70 साल से ऊपर से बुजुर्गों को पांच लाख के मुफ्त इलाज की घोषणा करके सरकारी कर्मचारियों और बुजुर्गों को साधने का प्रयास किया है। राज्य सरकार ने अन्य पिछड़ी जातियों के लिए दो दांव चले हैं। पहला तो यह है कि उसने केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी है कि क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख रुपए सालाना से बढ़ा कर 15 लाख किया जाए। दूसरा, उसने सात जातियों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल करने का प्रस्ताव भी भेजा है।

लोकसभा चुनाव में तीन प्रतिशत वोट की बढ़त के साथ अगर महा विकास अघाड़ी यानी कांग्रेस, शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गठबंधन की बात करें तो उनकी स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है। इसका एक कारण तो यह है कि मराठा आरक्षण और ओबीसी का विवाद राज्य सरकार ठीक तरीके से हैंडल नहीं कर सकी। मनोज जरांगे पाटिल मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। राज्य सरकार ने धनगर और आदिवासी मुद्दे को भी ठीक से नहीं हैंडल किया, जिससे दोनों समुदाय नाराज हैं। किसान आंदोलन के समय से ही किसान और मराठा दोनों भाजपा से नाराज हैं और वह नाराजगी लोकसभा चुनाव में दिखी भी।

-शेष हाल-फिलहाल पेज पर

उमर अब्दुल्ला ने ली शपथ

कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई। पांच मंत्रियों में सुरेंदर चौधरी उप मुख्यमंत्री और सतीश शर्मा मंत्री बने।

श्रीनगर ■ नया इंडिया ब्यूरो

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद उमर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। वे इससे पहले भी मुख्यमंत्री रहे हैं लेकिन तब जम्मू कश्मीर पूर्ण राज्य था। बुधवार को राहुल गांधी सहित विपक्ष के अनेक नेताओं की मोजूदगी में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिल कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई। उमर अब्दुल्ला के साथ एक उप मुख्यमंत्री और चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली।

उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री बनने के बाद पहले संदेश में साफ किया कि जम्मू के लोग यह नहीं समझें कि सरकार में उनकी आवाज नहीं शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि वे सभी नौ मंत्री पद नहीं भरेंगे और कांग्रेस से बात करेंगे ताकि उसे सरकार में शामिल किया जाए। उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री बनने के बाद वीआईपी सुविधाएं कम करने का वादा किया और कहा कि उनके लिए सड़क पर कोई ग्रीन कॉरिडोर नहीं बनाया जाए या रूट नहीं लगाया जाए। उन्होंने मंत्रियों से भी ऐसा करने को कहा है।

बहरहाल, उमर अब्दुल्ला के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शपथ समारोह में शामिल हुए। अरविंद केजरीवाल की पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शपथ समारोह में शिरकत की। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी। गोरतलब है कि कांग्रेस के सिर्फ छह विधायक जीते हैं। पार्टी ने गुलाम अहमद मीर को विधायक दल का नेता चुना है। वे झारखंड के प्रभारी भी हैं।

उमर अब्दुल्ला के साथ नौशेरा के विधायक सुरेंदर चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। विधानसभा चुनाव में उन्होंने प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना को 78 से ज्यादा वोट से हराया था। उनके अलावा सरकार में एक और हिंदू मंत्री सतीश शर्मा को बनाया गया है, वे छंब सीट से निर्दलीय जीते हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को समर्थन दिया है। इनके बाद उमर अब्दुल्ला ने डीएस पोरा की विधायक सकीना इट्टू, मेंढर से विधायक जावेद राणा और राफियाबाद से चुनाव जीते जावेद अहमद डार को मंत्री बनाया गया है। वे पहली बार विधायक बने हैं।

उमर अब्दुल्ला के मुख्यमंत्री के रुप में शपथ लेने के बाद भाजपा ने उम्मीद जताई कि वे शांति बहाली करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा- मैं उमर अब्दुल्ला को बधाई देता हूं, जिन्होंने जम्मू कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उनके मंत्रिपरिषद को भी बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे जम्मू कश्मीर में शांति स्थापित करने और जनता के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए काम करेंगे। दूसरी ओर पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा- मैं जम्मू कश्मीर के लोगों को बधाई देती हूं, क्योंकि उन्हें लंबे समय के बाद एक स्थिर सरकार मिली है। पांच अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए यह बहुत कठिन समय था। हमें उम्मीद है कि जो सरकार बनी है वह सबसे पहले घावों को भरेगी और लोगों की समस्याओं और पीड़ा को हल करेगी।

पाक, चीन को भारत का दो टूक संदेश

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में भारत ने मेजबान पाकिस्तान और चीन दोनों को दो टूक संदेश दिया है। भारत ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि आतंकवाद और व्यापार दोनों साथ साथ नहीं चल सकते हैं। एससीओ बैठक में शामिल हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन का भी नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि सभी देशों को पड़ोसी देशों की सीमा का सम्मान करना चाहिए।

इतना ही नहीं भारत ने एक बार फिर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआई प्रोजेक्ट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। भारत का पहले भी इस प्रोजेक्ट को लेकर यही स्टैंड रहा है। इस बार भी भारत ने इसका विरोध किया। जयशंकर ने बिना इसका नाम लिए कहा कि इस तरह की परियोजनाओं से देशों की संप्रभुता प्रभावित होती है। उन्होंने ऐसी परियोजनाओं की वजह से कर्ज बढ़ने की भी बात कही। भारत के अलावा एससीओ के सभी देशों जैसे रूस, बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने इस परियोजना का समर्थन किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर एससीओ के सदस्य देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा- अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अपने अंदर झांकने और इसकी वजह समझने की जरूरत है।

इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एससीओ बैठक की शुरुआत करते हुए कहा था कि पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और आर्थिक तरक्की चाहता है। उन्होंने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का समर्थन नहीं करने के लिए परोक्ष रूप से भारत पर निशाना साधा और कहा कि इस तरह की बड़ी परियोजनाओं को संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने एक तरह से भारत से इसका समर्थन करने की अपील की लेकिन भारत ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

सैनी नेता चुने गए, आज लेंगे शपथ

चंडीगढ़। हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बनेंगे। बुधवार को चंडीगढ़ में भाजपा विधायक दल की बैठक में आम सहमति से उनको नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मोजूदगी हुई है। नेता चुने जाने के बाद अमित शाह और नायब सिंह सैनी अन्य नेताओं के साथ राजभवन गए और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सैनी गुरुवार, 17 अक्टूबर को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के अनेक बड़े नेता शामिल होंगे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसमें हिस्सा लेंगे।

इससे पहले बुधवार की बैठक में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के आम सहमति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा- हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी मुख्यमंत्री लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुआ।

अमेरिका ने भारत पर दोष मढ़ा

कहा, भारत पर लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं। उसने कनाडा के साथ जांच में अब तक मदद नहीं की है।

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो

कनाडा से चल रहे विवाद में अब अमेरिका भी शामिल हो गया है। खालिस्तान समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कहा है कि भारत जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। गोरतलब है कि इस मसले पर विवाद बढ़ने के बाद भारत और कनाडा ने अपने अपने उच्चायोगों से छह छह राजनयिकों को वापस बुला लिया है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध खत्म होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

बहरहाल, इस विवाद के बीच अमेरिका ने भारत पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को कहा- भारत पर लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं। हम चाहते हैं कि भारत सरकार कनाडा के साथ जांच में मदद करे। भारत ने अब तक ऐसा नहीं किया है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को दावा किया था कि भारतीय सरकार के अधिकारी निज्जर की हत्या में शामिल थे। इससे पहले पिछले साल सितंबर महीने में भी ट्रूडो ने अपने देश की संसद में भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप लगाए थे। तब भी अमेरिका ने भारत से जांच में सहयोग करने की बात कही थी।

इस बीच कनाडा के पुलिस विभाग आरसीएमपी के कमिश्नर माइक डुहेम ने कनाडा देश में रहने वाले सिख समुदाय से मदद मांगी है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, डुहेम ने मंगलवार को रेडियो कनाडा चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा- हम कनाडा में हुई हिंसा में भारत की भूमिका की जांच कर रहे हैं। अगर किसी के पास इस केस से जुड़ी कोई जानकारी है तो वे इसे हमें दे। इसके लिए उन्होंने कनाडा में रहने वाले सिख समुदाय से भी अपील की।

इससे पहले डुहेम ने सोमवार को कनाडा में हुई हिंसा के लिए भारतीय एजेंटो के शामिल होने का आरोप लगाया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी मंगलवार, 15 अक्टूबर को भारत सरकार के एजेंट्स पर खुफिया जानकारी जुटाने, टारगेट किलिंग, कनाडा के नागरिकों को धमकाने और हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

वीआईपी सुरक्षा से हटेगी एनएसजी

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो

केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला किया है। अब अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों यानी वीआईपी की सुरक्षा में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड यानी एनएसजी को नहीं तैनात किया जाएगा। जिन अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में एनएसजी है उन्हें अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ की सुरक्षा मिलेगी। अगले महीने से यह आदेश लागू हो जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई लोगों की सुरक्षा अभी तक एनएसजी के हवाले थी। अब उनकी सुरक्षा भी सीआरपीएफ करेगी।

बताया गया है कि संसद की सुरक्षा में लगे रिटायर सीआरपीएफ जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें वीआईपी सुरक्षा विंग में भेजा गया है। इसके लिए नई बटालियन बनाई गई है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ये जवान वीआईपी सुरक्षा में तैनात होंगे। सीआरपीएफ के पास पहले से छह वीआईपी सिक्योरिटी बटालियन मोजूद है। नई बटालियन के साथ ये सात हो जाएंगी।

देश में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित नौ नेता ऐसे हैं, जिनकी सुरक्षा एनएसजी के ब्लेक कैट कमांडो करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एनएसजी कमांडो तैनात हैं। अब इनके पास से ये कमांडो हट जाएंगे। इनके अलावा छह अन्य लोगों के लिए सीआरपीएफ एडवांस्ड सिक्योरिटी लाइजन यानी एएसएल का काम करती है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और गांधी परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं।

न्याय की देवी की पट्टी और तलवार हटाई

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो

भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने रिटायर होने से पहले एक बड़ा काम किया है। उन्होंने सर्वोच्च अदालत में लगी लेडी ऑफ जस्टिस यानी न्याय की देवी की मूर्ति को बदल दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट में एक नई मूर्ति लगाई गई है। इस मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा दी गई है, जो अब तक कानून के अंधे होने का संकेत देती थी। साथ ही उसके हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। यह नई मूर्ति सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है।

बताया जा रहा है कि इस नई मूर्ति को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बनवाया है। इसका मकसद यह संदेश देना है कि देश में कानून अंधा नहीं है और यह सजा का प्रतीक नहीं है। पुरानी मूर्ति की आंख पर पट्टी यह दिखाती थी कि न्याय की देवी किसी व्यक्ति को नहीं देखती हैं। उसकी नजर में सब बराबर हैं। जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को सजा देने की शक्ति का प्रतीक थी। इसे अब बदल दिया गया है। हालांकि मूर्ति के दाएं हाथ में तराजू बरकरार रखी गई है, क्योंकि यह समाज में संतुलन का प्रतीक है।

इस मूर्ति को ब्रिटिश शासन की विरासत को पीछे छोड़ने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही भारत सरकार ने ब्रिटिश शासन के समय से लागू आईपीसी, सीआरपीसी और इंविडेंस एक्ट को बदल कर उनकी जगह नया कानून लागू किया है। न्याय की देवी की मूर्ति में बदलाव करना भी इसी का विस्तार माना जा रहा है। चीफ जस्टिस के ऑफिस से जुड़े प्रमुख सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस का मानना है कि भारत को ब्रिटिश विरासत से आगे बढ़ना चाहिए। उनका विश्वास है कि कानून अंधा नहीं होता है, यह सभी को समान रूप से देखता है। यानी धन, दौलत और समाज में वर्चस्व के अन्य मानकों को कोर्ट नहीं देखता है और इसका काम सिर्फ सजा देना नहीं, बल्कि न्याय करना है।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

नई दिल्ली। दिवाली से पहले और दो राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद केंद्र सरकार ने कई अहम फैसले किए हैं, जिनमें एक फैसला केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते यानी डीए में तीन फीसदी बढ़ोतरी का फैसला किया गया। की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता 50 से बढ़कर 53 फीसदी हो गया है। इसका फायदा करीब 49.18 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 64.89 लाख पेंशनभोगियो को होगा। बढ़ा हुआ डीए एक जुलाई से लागू होगा। यानी, कर्मचारियों को तीन महीने का बकाया मिलेगा। इसके अलावा केंद्र सरकार ने बुधवार, 16 अक्टूबर को केबिनेट की बैठक में रबी की छह फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी बढ़ाने का फैसला किया। सबसे ज्यादा इजाफा सरसों और तिलहन में तीन सौ रुपए प्रति क्विंटल का किया गया। गेहूं की एमएसपी डेढ़ सौ रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाई गई। इस तरह गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,425 रुपए क्विंटल हो गया है। जो, चना, मसूर और कुसुम की एमएसपी में भी बढ़ोतरी की गई।

सात और विमानों को मिली धमकी

नई दिल्ली। भारत विमानन कंपनियों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार को सात और उड़ानों में बम होने की धमकी दी गई। इस तरह पिछले तीन दिन में 19 विमानों में बम होने की धमकी मिल चुकी है। बुधवार को जिन सात विमानों में बम होने की धमकी मिली उनमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की दो और अकासा की एक उड़ान शामिल है। धमकी मिलने के बाद इन सभी उड़ानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इससे एक दिन पहले 15 अक्टूबर को सात उड़ाने में बम होने की धमकी मिली थी। इनमें एयर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। जांच में इन विमानों में बम की खबर झूठी निकली थीं।

थाना रामपुरकलां पुलिस द्वारा लूट की घटना में फरार चल रहे इनामी दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा सम्पूर्ण जिले में सम्पत्ति सम्बंधी अपराधो की रोकथाम एंव सम्पत्ति सम्बंधी अपराधो के निराकरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द सिहं ठाकुर व एसडीओपी सबलगढ वी पी तिवारी के कुशल मार्ग दर्शन में आज दिनांक 18/10/24 को थाना रामपुरकलां पुलिस द्वारा दिनांक 18/10/24 को फरियादी सुरेन्द्र पुत्र रामलखन कुशवाह निवासी ग्राम बराकलां थाना विजयपुर जिला श्योपुर के साथ विजयपुर सैमई रोड पर ग्राम चौखरियापुरा के पास हुई लूट की घटना के सम्बंध में थाना रामपुरकलां पर पंजीबध्द अप. क्र. 87/24 धारा 309(4) बीएनएस, 11/13 एमपीडीपीके एक्ट में फरार चले रहे दो आरोपीगण को समक्ष पंचान विधिवत गिरफ्तार किया गया है तथा एक आरोपी के कब्जे से लूट की मशरूका मे

से 10,000 रूपये नगद व दूसरे आरोपी के कब्जे 9000 रूपये नगद, एक काले रंग का पिट्टू बैग, एक वीवो कम्पनी का मोबाईल चार्जर, एक मंत्रा फिंगर डिवाइस, एक आधार कार्ड व घटना में प्रयुक्त एक काले रंग की बिना नम्बर की हीरो स्प्लैण्डर मोटर साइ. को समक्ष पंचान विधिवत जप्त किया गया है, अपराध सदर में दोनो आरोपीगण की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक, मुरैना द्वारा 3000-3000 रूपये का इनाम घोषित किया गया था। सराहनीय भूमिका उनि पारथ सिहं परिहार थाना प्रभारी, सउत्ति रामकुमार वर्मा, प्र.आर. 897 श्रीपतिराय, प्र. आर. 882 संतोष बाथम, प्र. आर. 930 हरिओम यादव, आर. 1087 अनूप, आर. 41 प्रहलाद सिहं, आर. 1262 महेश, आर. 1264 समीर, आर. 584 अर्जुन का सराहनीय योगदान रहा।

नपा खरगोन द्वारा नाला नाली सफाई अभियान चलाया

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एमआर निगवाल के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित डामोर के मार्गदर्शन में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 स्वच्छ नाला, नाली सफाई अभियान के अंतर्गत विशेष नाला, नाली सफाई अभियान चलाया गया। शहर के समस्त वार्डो में नालियों की सफाई कर गाद निकाली गई एवं ब्लीचिंग पाउडर डाला गया। साथ ही नालों की साफ सफाई कर वायरमेस जाली को व्यवस्थित किया गया। इस दौरान नागरिकों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता सम्बंधित सार्वजनिक सूचना बोर्ड लगाएं गए है। अभियान में वार्ड दरोगा विजय गुप्ता, सफाई मित्र एवं आईईसी टीम सदस्य उपस्थित रहे।

06 बकायादारों से वसूली जानी है आबकारी की बकाया राशि

वर्ष 2015-16 के आबकारी विभाग से समन्धित 06 बकायादारों से बकाया राशि लेना शेष है। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि इन 06 बकायदारों की कोई चल-अचल सम्पति की जानकारी किसी भी व्यक्ति को हो या यदि किसी बाकायादार द्वारा अपना पता एवं स्थान परिवर्तन किया गया हो तो उसकी जानकारी कार्यालय सहायक आयुक्त खरगोन में दी जाए। जिससे बकायादारों से शासन की आबकारी बकाया राशि राजस्व हित में वसूल की जा सके।

इन बकायदारों से वसूली जानी है बकाया राशि

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

वर्ष 2015-16 के आबकारी विभाग से समन्धित 06 बकायादारों में मंडलेश्वर के केन्द्रजीत कुशवाह से 1,94,45,652 रुपए, पहा?सिंगपुरा खरगोन के विनोद पिता विजय रघुवंशी से 1,03,17,948 रुपये की बकाया राशि वसूली जानी है। इसी प्रकार 102 मिडराईज्ड ड्रीम सिटी तलावटी चांदा इंदौर के सतीश पिता रतनलाल जायसवाल एवं सहभागी सोमईश गार्डन चंदन नगर धार रोड इंदौर के सुरजीतसिंह चड्ढा व 52/02 जेल रोड इंदौर के ईनेश पिता बाबूलाल शर्मा से 1,85,49,006 रुपए, 10/10 कालिका मार्ग जिला धार के प्रशांत पिता कैलाशचंद्र जायसवाल से 15,66,581 रुपये, कोटड़ा अजमेर राजस्थान के सूर्यप्रताप सिंह पिता बचूसिह से 35,84,970 रुपए एवं सुखलिया इंदौर निवासी अर्पित पिता जयगोपाल चौकसे से 74,38,44,434 रुपये की बकाया राशि वसूली जानी है।

थाना देहात पुलिस की गांजा तस्कर के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डा. असित यादव के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के निर्देशन व नगर पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध शराब,अवैध मादक पदार्थ,अवैध हथियार,जुआ,सटटा के अभियान के तहत कार्यवाही जारी है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक मुकेश शाक्य के नेतृत्व में दिनांक 19/10/24 को नई गल्ला मण्डी गेट के पीछे से एक व्यक्ति को गांजा सप्लाई करने हेतु पकडा गया। आरोपी अवधेश शर्मा पुत्र रामकुमार शर्मा निवासी जामना के कब्जे से 416 ग्राम गांजा कीमती 5000 रूपये जप्त किया गया। आरोपी से गांजा लाने के स्त्रोतों का पता लगाया जा रहा है। उक्त सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक मुकेश शाक्य,उनि. विजय शिवहरे,प्रमोद तोमर, प्र.आर. हरवीर गुर्जर,धीरेन्द्र भदौरिया,आरक्षक बृजेश सिंह,ज्ञानेन्द मिश्रा,राहुल शुक्ला, अनूप यादव की अहम भूमिका रही।

एक्सीडेंट में किशोर की मौत के बाद शोकाकुल परिवार के बीच पहुँचे केबीनेट मंत्री राकेश शुक्ला गोरमी- 16 अक्टूबर को सुबह दौड़ने गये 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी परिवार में 6 बहनो के बीच एक अकेला भाई था जिसके चलते आज कैविनेट मंत्री राकेश शुक्ला शोकाकुल परिवार के बीच पहुँचे और परिवार के लोगो को शांतुना भेंट की इस दौरान सभी बहने मंत्री के पास पहुँची सभी को मंत्री ने समझाया ओर एक बच्ची की नगर परिषद में नोकरी दिलाने की की घोषणा की।एवं विधायक स्वेच्छा निधि से सहायता राशि एवं मुख्यमंत्री की तरफ से भी सहायता राशि दिलवाने का आश्वासन दिया।

सुमन ताम्रकार की स्मृति में 11 लाख रुपए समाज को समर्पित

ताम्रकार कसेरा समाज की सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमन ताम्रकार के असमयिक निधन पर उनके परिवार ने उनकी स्मृति ड़ो चिर स्थायी बनाने के किए 11 लाख रुपए सामाजिक कार्यो के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया साथ ही सामाजिक कुरीतियों ड़ो समाप्त करने की पहलभी की. हैहय वंशीय क्षत्रिय ताम्रकार कसेरा समाज महिला संगठन मध्य प्रदेश की संरक्षक, समाज के राष्टीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार हेह्यवंशी की धर्मपत्नी सुमन ताम्रकार का 5 अक्टूबर ड़ो असमायिक निधन हो गया जिनके त्रयोदशी संस्कार पर आयोजित शोक सभा मे ताम्रकार परिवार सीहोर ने अनुकरणीय पहल की. पगड़ी रस्म केवल मामा पक्ष की और साथ ही बीज मंत्र श्री दुर्गा सप्तस्ती अतिथियों को प्रदान की गई.परिवार ने सुमन ताम्रकार की स्मृति को चिर स्थाई बनाने के लिए 11 लख रुपए से एक ट्रस्ट बनाने का संकल्प लिया जिसमे 1

लाख रुपया सुमन ताम्रकार के भाई श्री मनोहर लाल जसाठी जबलपुर जसाठी परिवार ने देने का संकल्प लिया. इस राशि मे से पांच लाख का मंदिर निर्माण किया जाएगा 5 लाख महिला सशक्तिकरण के लिए निश्चित रहेंगे एक लाख रुपया महेश्वर में 100 फीट भगवान श्री राजराजेश्वर की बनने वाली प्रतिमा के लिए दिए जाएंगे. यह संकल्प श्री राम नारायण ताम्रकार द्वारा लिया गया.

शोक सभा को सीहोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सुदेश राय नगर पालिका के अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री जसपाल अरोरा,महामंडलेश्वर श्री अजय पुरोहित, समाजसेवी श्री अखिलेश राय समाज के राष्टीय संरक्षक श्री आर बी प्रसाद **हैह्यवंशी देहली, राष्टीय महासचिव विजय वर्मा**- हैहयवशी पूर्व राष्टीय अध्यक्ष भैयालाल ताम्रकार, मध्य प्रदेश ताम्रकार कसेरा समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेंद्र ताम्रकार रीवा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र पेगवार, इंदौर समाज के अध्यक्ष जगदीश ताम्रकार. राष्टीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कृष्णकांत वर्मा, राष्टीय युवा प्रकोष्ठ के महासचिव जबलपुर साकेत नंदा ताम्रकार इंजिनियर पूर्व अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण राजेंद्र ताम्रकार भोपाल , मंडी बोर्ड ए सी आर के ताम्रकार,सीहोर समाज के संरक्षक गोविन्द ताम्रकार श्रीमती उषा ताम्रकार, श्रीमती कीर्ति ताम्रकार ओम्कारेश्वर,दमोह से किशोरी लाल ताम्रकार एडवोकेट, जबलपुर से प्रदीप जसाठी, अतुल ताम्रकार एडवोकेट राहतगड़,हरिनारायण वर्मा सहित अनेक वक्ताओ ने श्रद्धांजलि, श्रदा सुमन अर्पित किए. शोक सभा में प्रदेश भर से स्वजातीय बंधु शामिल हुए. अंत मे शोकाकुल रामनारायण ताम्रकार ने श्रद्धांजलि अर्पित कर सभी का आभार माना.

अपराधी खुले आम हथियार लेकर घूम रहे है,पुलिस तमाशा देख रही है: गोविन्द सिंह

दबोह में मारपीट का शिकार हुए अनुराग बघेल के घर पहुंचे पूर्व मंत्री डॉ. सिंह, बघेल समाज के आंदोलन मे पूरा समर्थन दूंगा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । बघेल समाज के आंदोलन मे पूरा समर्थन दूंगा उक्त बात पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने दबोह मे पीड़ित परिवार अनुराग बघेल से मिलने के दौरान कही,उन्होंने कहा इस समय भिंड जिले के लहार विधानसभा मे अपराध चरम सीमा पर है ऐसा कोई बर्ग नहीं बचा जिसके साथ अन्याय न हुआ हो,चड़रौआ के निर्दोष अनुराग बघेल को दबँगो ने जानवरो की तरह पीटा,उसकी जेव मे कट्टा भी रख दिया,कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई ये अकेली दबोह की घटना नहीं है। असवार थाने मे यादव समाज के ब्यक्ति के साथ मारपीट,आखिर ये अन्याय कब तक होगा,समूचे लहार क्षेत्र मे अपराधी खुले आम बारदात को अंजाम दे रहे है,पुलिस सौ रही है,गुंडों पर अपराधियों का भय खत्म हो चुका है,दबँग लोग छोटे वर्ग के लोगो के लोगो पर जुर्म ढा रहे है, ऐसा कोई वर्ग नहीं बचा जिस पर अन्याय न हुआ हो,वही उन्होंने कहा कि यदि बघेल समाज आंदोलन करेंगी तो गोविन्द सिंह पीठ दिखाने का काम नहीं करेंगे उनके आंदोलन मे पूरा समर्थन करूँगा,उन्होंहे कहा कि अब में लहार नहीं छोड़ूंगा व जनता के लिए मेरा संघर्ष ड़ारी रहेगा।

एल यू सी कंपनी के सरगना समीर अग्रवाल पर पचास हजार का इनाम घोषित

जावेद किरमानी ललितपुर

ललितपुर एल यू सी कम्पनी के सरगना वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी द्वारा घोषित किया गया 50 हजार रूपये का इनाम जनपद में स्पष्ट नाम की चिटफंड कम्पनी बनाकर षडयन्त्र पूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के अभियोग में वांछित मुख्य सरगना अभियुक्त समीर अग्रवाल (सागा ग्रुप के चेयरमेन) पुत्र स्व0 राजेन्द्र अग्रवाल नि0 मुम्बई हाल पता बिजनेश वे बिल्डिंग नं0 10, 4 फ्लोर ऑफिस नं0 404, दुबई के विरूद्ध मु0अ0सं0 612/2024 धारा 11/318/61(2)/352/351(3)बीएनएस थाना कोतवाली ललितपुर ललितपुर में अभियोग पंजीकृत हैं, जिसमें अभियुक्त उपरोक्त वांछित है अभियुक्त समीर अग्रवाल उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो0 मुश्ताक द्वारा स्वॉट टीम का गठन किया गया है, तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी द्वारा अभियुक्त समीर अग्रवाल उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु 50 हजार रूपये की धनराशि का ईनाम घोषित किया गया है जिसकी सूचना पुलिस को देने वाले को 50 हजार रूपये के इनाम से पुरस्कृत किया जायेगा।

योगाभ्यास जिला योग प्रभारी चाकणकर ने इम्युनिटी बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को बताएं उपाय

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर इस वर्ष डेंगू के मामलों में भारी उछाल चिंता का विषय बन गया है। डेंगू से बचाव के लिए सभी लोगों को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक रखने पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। इम्युनिटी मजबूत होने से संक्रमण की स्थिति में गंभीर रोग होने का खतरा कम होता है और तेजी से रिकवरी भी की जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति डेंगू के शिकार हैं तो दिनचर्या में कुछ बदलाव करके तेजी से इस समस्या से रिकवर कर सकते हैं। यह बात जिला योगप्रभारी दिनेश चाकणकर ने शासकीय उमावि डीआरपी लाइन पी एम श्री विद्यालय में विद्यार्थियों के योगाभ्यास के दौरान व्यक्त किये। श्री चाकणकर ने कहा कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को तेज बुखार, उल्टी, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है और भूख कम लगती है। दोबारा ताकत हासिल करने और संक्रमण की जटिलताओं को कम करने के लिए वज्रासन, पश्चिमोत्तानासन, अनुलोम-विलोम तथा कपालभाति सहायक हो सकते हैं। श्री चाकणकर ने कहा कि डेंगू में प्लेटेलेट्स कम हो जाते हैं इसलिये ऐसे फल खाएं जिनमें विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और इलेक्ट्रोलाईट भरपूर मात्रा में हों। संतरा, नींबू, किवी और अंगूर जैसे सिट्रस फल विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। अनन्नास और पपीता में मौजूद एंजाइम पाचन की क्रिया में मदद करके सूजन को कम करते हैं। ड़पपीता की पत्तियों में एसिटोजेनिन पाया जाता है, जो एक अद्वितीय फाईटोकैमिकल है। यह डेंगू पीड़ितों के लिए एक प्रभावशाली उपचार माना जाता है। इससे प्लेटेलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती है और शरीर में पुनः ऊर्जा आती है। अवलोकन के दौरान विकासखंड योग प्रभारी श्री गोविंद मेहरोत्रा भी साथ थे।

संपादक की कलम से

पति की दीर्घायु की कामना का पर्व है करवा चौथ

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं।

करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति औ? उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं।

आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। इसीलिये सुहागिन स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती है।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीघार्यु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया।

इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला।

डाकुओं और डॉन में जमीन-आसमान का फर्क

@ राकेश अचल
*****

मै एक जमाने में दुर्दांत डकैतों के लिए बदनाम चंबल इलाके से आता हूँ। मैंने अपने पत्रकारिता के कार्यकाल में डाकुओं की जितनी कहानियां बनाई और बेचीं उतनी शायद मुंबई के डॉन की कहानियां भी नहीं बिकी होंगीं। चंबल के डाकू दो दशक पहले हमेशा - हमेशा के लिए समाप्त हो गये। लेकिन मुंबई के डॉन आज भी जिंदा हैं। मुंबई के डॉन और चंबल के डाकुओं में बहुत फर्क है। डाकू कभी किसी की हत्या के लिए सुपारी नहीं लेते थे, लेकिन डॉन सुपारी लेते भी हैं और देते भी हैं। डाकू हों या डॉन मीडिया के लिए हमेशा 'हाट केक' की तरह बिकने वाले कथानक रहे है। आजकल मुंबई में ही नहीं पूरे देश में डाकुओं से ज्यादा डॉन की चर्चा हैं। डॉन लारेंस विश्नोई द्वारा हाल ही में दिल्ली और मुंबई में सुपारी देकर कराई गयी हत्याओं के बाद सुर्खियों में हैं। भ्रष्ट नेताओं से ज्यादा खूखार डॉन सुर्खियों में है। विश्नोईयों के बारे में धारणा है कि वे न केवल पर्यावरण प्रेमी होते हैं बल्कि काले हिरणों के सबसे बड़े संरक्षक भी होते हैं, लेकिन इस विश्नोई समाज से यदि लारेंस डॉन बनकर निकला है तो हैरानी होती है। पता नहीं लारेंस का राजस्थान के विश्नोई समाज से कोई वास्ता है भी या नहीं। मैंने अपने पत्रकारिता के जीवन में देश के इस सदी के सबसे कुख्यात और 'रॉबिनहुड' रहे डकैत देखे है। उनसे मिला हूँ । माधौ सिंह ,मोहर सिंह ,तहसीलदार सिंह, पान सिंह,निर्भय गूजर से लेकर फूलन देवी तक को मै खूब जानता था, लेकिन कोई इतना नृशंस नहीं था, जितना कि आजकल के डॉन हैं। डाकुओं ने हत्याएं कीं,अपहरण किये, गांव के गांव जलाये लेकिन उनकी करतूतों के पीछे की कहानियां कुछ और हुआ करतीं थीं। उनके मन में हिंसा के साथ दया-माया भी थी। वे रॉबिन हुड की तरह गरीबों की मदद भी करते थे और आततायियों को सबक भी सिखाते थे। डाकुओं ने कभी प्रदेश में बैठकर अपने गिरोह नहीं चलाये लेकिन मोदीकाल के डाकू अमेरिका में बैठकर अपने गिरोह चला रहे है। बीहड़ों के बजाय वातानुकूलित जेलों में रहकर गिरोह चला रहे है।

बात नए -नए डॉन लारेंस विश्नोई की हो रही थी। लारेंस विश्नोई हाल ही में एनसीपी [अजित गुट] के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सुर्खियों में है। उसके निशाने पर एक लोकप्रिय अभिनेता सलमान खान के अलावा अनेक खान हैं। ये महज संयोग है या कोई नियोजित अभियान की लारेंस और सत्तारूढ़ दल के लक्ष्य एक जैसे ही है। कभी -कभी लगता है कि लारेंस ने या तो संघ और भाजपा का एजेंडा चुरा लिया है या वो इन संगठनों और दलों का अंधभक्त बन गया है। दोनों के निशाने पर अल्पसंख्यक ज्यादा हैं, दुसरे लोग भी हैं लेकिन अल्पसंख्यक सबसे ऊपर है। कहने को तो बाबा सिद्दीकी जैसे लोग संजय दत्त के भी खैरख्वाह थे।

दरअसल मै अपने नयी पीढ़ी के पाठकों को डॉन और डाकुओं में फर्क बताने की कोशिश कर रहा था। डाकू विषम परिस्थितियों में बीहड़ का रास्ता पकड़ते थे और डॉन सुनियोजित तरीके से मुंबई का रुख करते हैं। डॉन और डाकू पहले छोटी वारदात करते हैं, बाद में किसी स्थापित गिरोह में शामिल होते हैं लेकिन बाद में अनुभव हासिल होते ही डॉन अपने स्वतंत्र गिरोह बना लेते हैं। जाति डॉन की भी होती है और डाकू की भी। हाजी मस्तान से लारेंस तक और मान सिंह से लेकर जगजीवन परिहार तक कहानियां एक जैसी हैं। दोनों कि जीवन पर फिल्में भी खूब बनतीं और चलतीं हैं। लेकिन डाकू दिलेर होते हैं और डॉन कायर। डाकू पुलिस से सीधे मुठभेड़ करते हुए मारे जाते हैं, लेकिन डॉन कभी पुलिस से सीधे मोर्चा नहीं लेते। डाकुओं के गुर्गे नहीं होते लेकिन डॉन के होते हैं। डॉन विलासता का जीवन जीते हैं, बड़े शहरों और बड़े देशों में रहते हैं किन्तु डाकू बीहड़ों में विषम परिस्थितयों में रहते हैं और उनके जीवन में विलासता भी बड़े ही निम्न स्तर को होती थी।

डॉन और डाकूओं में महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम रहा है। गुजरात की लेडी डॉन की तरह एक जमाने में चंबल की महिला डाकू पुतली बाई एक किवदंती बन गयी थी। फूलन तो डाकू जीवन से मुक्त होकर संसद तक पहुंची। एक डाकू सरगना मलखान सिंह भी फूलन का अनुशरण करते हुए विधानसभा में पहुँचने के लिए बार-बार चुनाव लड़ा लेकिन कामयाब नहीं हुआ। डॉन भी किवदंती बने हैं, लेकिन शायद ही कोई डॉन हो जो संसद तक पहुंचा हो, हालाँकि हाजी मस्तान ने डॉन बनने के बाद गाँधी टोपी पहनकर नेतागीरी की थी लारेंस को भविष्य में कोई हिंदूवादी पार्टी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में टिकिट दे दे तो मै जानता नहीं। हाँ डाकुओं कि मंदिर हैं लेकिन डॉन कि नहीं।

लोकतंत्र के लिए डाकू और डॉन समान रुप से उपयोगी रहे है। मै ऐसे तमाम नेताओं को जानता हूँ जो एक जमाने में चुनावों के वक्त चंबल में डाकुओं के प्रभाव का, आतंक का इस्तेमाल खुलेआम करते थे। चंबल की ये कहानी मै महाराष्ट्र, गुजरात और देश के हर हिस्से में दुहराते हुए देख रहा हू। अब हर राज्य में कोई न कोई डॉन किसी न किसी नेता को चुनाव जितने के लिए अपने प्रभाव और आतंक का इस्तेमाल करता है। डॉन और डाकू आतंक के कारण ही समाज में जिंदा हैं। अब डॉन और डाकुओं ने अपनी वर्दी बदल ली है। वे खादी से लेकर 'हुडी' तक पहनने लगे हैं।

डाकुओं के समर्पण के लिए विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से लेकर अर्जुन सिंह तक ने अथक प्रयास किये थे लेकिन डॉन को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किसी नेता ने किये हो तो मुझे मालूम नहीं। डॉन आज भी सुपारी ले और दे रहा है। हत्याएं करा रहा है। चौथ वसूली कर रहा है। डाकू ये सब छोड़ चुके हैं। वे या तो खेती कर रहे हैं या राजनीति या समाजसेवा। दुर्भाग्य कहूँ या सौभाग्य कि मुझे आजतक किसी डॉन से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला,हालाँकि हमारे पूर्वज कहें या अग्रज स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक सीमा पर जाकर पाकिस्तान के डॉन हाफिज सईद से मिल आये थे। उनका और हाफिज जी का इंटरव्यू ठीक उसी तरह से सुर्खियां बना था जैसा की एक जमाने में फूलन और निर्भय के इंटरव्यू।

बहरहाल डाकुओं की कहानी तो लगभग समाप्त हो चुकीहै किन्तु डॉन की फिल्म खत्म होने का नाम नहीं ले रही। डॉन की कहानी ने 'सीक्वल' का रुप ले लिया है। एक जाता है तो दूसरा आ जाता है। ये तब तक चलेगा जब तक सियासत चाहेगी। जिस दिन सियासत और डॉन का रिश्ता दर-केगा डॉन की कहानी भी उसी तरह समाप्त हो जाएगी जैसे की डाकुओं की हुई है। डॉन, डाकू और डाकिया तंत्र लोकतंत्र के लिए अभिशाप है। इनका खात्मा जितनी जल्द हो उतना अच्छा है। अन्यथा न मुंबई चैन से रह पायेगी और न दिल्ली।

प्रतीकों में उलझी न्यायपालिका

प्रतीकों के खेल में अब तक इस देश की राजनीति ही उलझी हुई थी, अफसोस है कि अब न्यायपालिका भी इसका हिस्सा बन गई है। न्याय की देवी की मूर्ति में जो फेरबदल किए गए और इसके पीछे जो तर्क दिए गए, वो इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय व्यवस्था को त्रुटिहीन और पूरी तरह से दुरुस्त करने की कोशिश की जगह भावनात्मक बातों को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में न्याय की देवी की नयी मूर्ति लगायी गयी है। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर नयी मूर्ति बनी है, जिसमें पुरानी मूर्ति से अलग वेशभूषा और प्रतीक बने हैं। सफेद रंग की मूर्ति में आंखों से पट्टी हटा दी गई है, उसका परिधान भारतीय कर दिया गया है और हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। कहा जा रहा है कि इस बदलाव से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि कानून अंधा नहीं होता। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में लिखा है - जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। अर्थात हम अपनी भावनाओं और नजरिए के अनुरूप ही चीजों को देखते और परखते हैं। आंख पर पट्टी होने को अंधत्व से भी जोड़ा जा सकता है और निष्पक्षता से भी। 1983 से में अमिताभ बच्चन, रजनीकांत और हेमा मालिनी की फिल्म आई थी अंधा कानून। जिसमें दिखाया गया है कि अमिताभ बच्चन याने नायक को एक ऐसे जुर्म की सजा होती है, जो उसने किया ही नहीं, उसके परिवार को भी अत्याचार का शिकार बनाया जाता है और उसके बाद फिल्म में बार-बार ये अंधा कानून है, गीत पार्श्व में बजता रहता है और न्याय देवी की मूर्ति भी दिखाई जाती है, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी है। कानून के अंधे होने की धारणा को फिल्म के जरिए समाज में और मजबूत किया गया। और अब करीब 4 दशक बाद एक प्रचलित धारणा के अनुरूप फैसला लिया गया है। समझा जा सकता है कि देश में हाल के वर्षों में हुए कई बदलावों के पीछे कई बरसों की कोशिश रही है। नेहरू संग्रहालय को पीएम म्यूजियम में बदलना, इंडिया गेट पर नेता जी की मूर्ति, जम्मू-कश्मीर से 370 की वापसी, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, संसद में सेंगोल की स्थापना या इंडियन पीनल कोड, आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, बीएनएस का लागू होना, ऐसे ही फैसलों की चंद मिसाल हैं।।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

-ललित गर्ग -

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वद्रष्टा एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि क्या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा? भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा?

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दर्शाता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है।

यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना-पुलिस और कोर्ट-कचहरी का चक्कर लगा-लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी हैं तो कानून में आमूल-चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए।

1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट-कचहरी, वकील-दलील, सुनवाई-फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता हैं- लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही। पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है।

अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है-यह दर्शाता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से ह्यजस्टिसह्न शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दशार्ता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है।

यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन-प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाये।

में इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी। असल में, प्रतीक-चिह्न एक पहचान के रूप में काम करते हैं।

रिश्तों का दर्द

कुछ रिश्ते ऐसे हैं जो जन्म जन्म के होते हैं
बिछुड़ते हैं जब तो बहुत दर्द-ओ-गम देते हैं।
स्मृति पट खुलते हैं तो बीता जमाना याद आता है
माँ पापा के प्यार का खोया खजाना याद आता है।
उनकी कमी मन में एक कसक दे जाती है
उनकी याद फिर बचपन में खींच ले जाती है।
बहुत सुख था जीवन में कहीं कुछ कम न था
बेफिक्री में दिन गुजरते थे कुछ गम न था।
इतनी जोर से हंसते थे कि आंसू छलक जाते थे
माँ पापा हमारी खुशी को देख मुसकुराते थे।
ये मालूम न था कि जीवन तो बहता पानी है।
धीरे धीरे सबकी रूखसत की बारी आनी है।
माँ पापा चुपचाप बिना कुछ कहे चले गए
हम उनकी तस्वीर और मन में याद लिए रह गए।
धीरे धीरे उनके बगैर जीने का तरीका सीख लिया
बदलते चेहरों को पढ़ने का सलीका सीख लिया।
रिश्तों को और फर्ज.को संजीदगी से निभाने लगे
खिलखिलाते थे हम भी कभी फिर धीरे से मुसकुराने लगे।

- डॉ निशा भार्गव
प्राचार्य
मेहर चंद महाजन डी ए वी
महिला महाविद्यालय चंडीगढ़

घाव पर नमक

दुनिया में रंग -बिरंगे लोग,
नीचा दिखाने का ही रोग,
विषैले शब्द बाहर उगलते,
नफरत के अंगार घड़ी-घड़ी सुलगते
करते नमक का व्यापार,
करके जख्म ढाहते अत्याचार,
ऐसे लोगों की नहीं होती चमक,
कुछ लोग लगाते घाव पर नमक।
किसी पर मेहरबान तो किसी से परेशान,
किसी के लिए देवता किसी के लिए हैवान,
नहीं ऐसे लोगों को तनिक भी आभास,
रहते अपने जीवन से ऐसे लोग निराश,
औरों की बन जाते कठपुतली,
उन्नति देख किसी की रग-रग दुखती,
अंधेरों से प्यार भागते हैं देख दमक,
कुछ लोग लगाते घाव पर नमक।
नमक के शहर के वो दलाल,
जीवन भर नहीं गलती उनकी दाल,
किसी के जख्मों को कुदेरते,
सिर पर किसी के हाथ फेरते,
सही फैसला नहीं लेते दोगले इंसान,
मूर्ख बनते होकर अनजान,
समाज में उत्तर-पुथल के होते जनक,
कुछ लोग लगाते घाव पर नमक।
नहीं समझ इन्हें अपना पराया,
उजाड़ कर खेती करते सफाया,
करते हरे औरों के घाव,
बड़े अजीबो गरीब इनके चाव,
गलतियों का नहीं अफसोस,
दूसरों पर ही मढ़ते दोष,
नहीं पसंद इनको खनक,
कुछ लोग लगाते घाव पर नमक।

-डॉ विनोद कुमार शर्मा,
चंडीगढ़।

रीवा एयरपोर्ट के निर्माण से विन्ध्य के विकास को मिलेगा नया आयाम

प्रधानमंत्री श्री मोदी आज बनारस से वर्चुअली करेंगे रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण, रीवा में मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री होंगे समारोह में शामिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। आवागमन के साधनों में हवाई सेवा का महत्व तेजी से बड़ रहा है। रीवा में अब तक चोरहटा में हवाई पट्टी है जिसमें हेलीकाप्टर तथा छोटे विमान ही उतर सकते हैं। इसके विस्तार और रीवा एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को बनारस से शाम 4 बजे वर्चुअली रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके लिए रीवा में एयरपोर्ट परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल तथा सांसद श्री जनार्दन मिश्र शामिल होंगे। रीवा एयरपोर्ट के निर्माण से रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के

विकास को नया आयाम मिलेगा। रीवा की चोरहटा हवाई पट्टी का विस्तार करके रीवा एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। रीवा एयरपोर्ट का शिलान्यास 15 फरवरी 2023 को किया गया था। इसके निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा लगभग डेड़ साल के रिकार्ड समय में रीवा एयरपोर्ट का निर्माण का कार्य पूरा कर दिया गया है। एयरपोर्ट में रनवे का विस्तार करके इसे 2300 मीटर का बनाया गया है। साथ ही दोनों ओर 30-30 मीटर की बैकप लेंथ भी है। एयरपोर्ट में हवाई टर्मिनल बिल्डिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तथा सुरक्षा के लिए बाउंड्रीबाल का निर्माण पूरा हो गया है। एयरपोर्ट में लोकार्पण के बाद 72 सीटर हवाई जहाजों का आवागमन शुरू हो जायेगा। हवाई सेवा शुरू हो जाने से रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, उपचार सुविधा तथा अन्य क्षेत्रों में विकास के नये अवसर मिलेंगे।

धर्मपरिवार का सार्वजनिक दीपोत्सव 2024

कलश सज्जा प्रतियोगिता के साथ होगी सामूहिक आतिशवाजी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार की महिला शाखा संरक्षक श्रीमती संतोषी गुप्ता के दिये गये प्रस्ताव पर पदमधर पार्क आयोजित होने वाले सार्वजनिक दीपोत्सव-2024 में कलश सज्जा प्रतियोगिता के साथ सामूहिक आतिशबाजी को जोड़ा जा रहा है। जिसमें नगर की समस्त कलाप्रेमी महिलाओ को कलश सज्जा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही आने वाले सभी नागरिको, कलाकारो को सामूहिक आतिशबाजी में भाग लेने के लिये अपनी-अपनी सामग्री लाने हेतु आग्रह किया गया है। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक अनिल मिश्रा एड0 एवं युवा अध्यक्ष सुमित माँजवानी ने दी है।

जानकारी में आगे बताया गया है कि इस वर्ष मनाये जाने वाले सार्वजनिक दीपोत्सव में उपस्थित जनसमुदाय द्वारा एक साथ मिलकर दीपदान किया जायेगा। शुभारंभ हेतु नगर की प्रसिद्ध भजन मंडली प्राची शुक्ला रुरु को भी अपनी आकर्षक प्रस्तुति देने हेतु आमंत्रित किया गया है। नगर की प्रसिद्ध उदघोषिका मंच संचालिका डॉ0 आरती तिवारी कार्यक्रम को अपनी मधुर आवाज से संचालित करेगी। धर्म परिवार के संस्थापक आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी एवं अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू के कुशल नेतृत्य में आयोजन समिति द्वारा आयोजन को यादगार बनाने के लिये निरंतर तैय्यारी की जा रही है। सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू द्वारा डॉस रुरुपो को एकल एवं समूह नृत्य के लिये सम्पर्क किया जा रहा है। इस वर्ष सभी सहभागी कलाकारो को सम्मान स्वरूप समृति चिंह देकर पुरस्कृत किया जायेगा, लगातार 26वें वर्ष में आयोजित होने वाले इस गरिमामयी आयोजन में आने वाले नागरिको के लिये दर्शक दीर्घा बनेगी।

बैंक की योजनाओं का क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर यूनियन बैंक मित्र ऋषिकेश तिवारी को किया गया सम्मानित

रीवा। प्रधानमंत्री जनधन खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना, को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को यूनियन बैंक रसेटी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सभी योजनाओ में रीवा जिले के वॉर्ड नंबर 04 चोरहटा से बैंक मित्र ऋषिकेश तिवारी ने सभी योजनाओ में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।जिसके लिए उन्हें रीजनल हेड अजय खरे जी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रीजनल हेड अजय खरे जी द्वारा बताया गया की बैंक की संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। तथा सभी योजनाओ को प्रोन्नत करने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की। इसके साथ ही अच्छा कार्य करने वाले बैक मित्रो को पुरस्कृत किया।

थाना समान पुलिस ने लूट के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर के निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक रीवा रितु उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी समान निरी. विकास कपीस एवं उनकी टीम ने लूट के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार।

घटना का विवरण– दिनांक 07.10.24 को फरियादिया ममता तिवारी पत्नी गणेश प्रसाद त्रिपाठी उम्र 50 वर्ष निवासी के. के. पाण्डेय नर्सिंग होम के पीछे आदर्श नगर बरा थाना समान जिला रीवा की रिपोर्ट पर थाना समान मे अपराध क्रमांक 404/24 धारा 309 (4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया था, मामले आरोपी सहबाज खान उर्फ लूला पिता अरमान खान निवासी जगन्नाथ मंदिर के पास विछिया थाना विछिया जिला रीवा का वक्त घटना से लगातार चल फरार था, जिसे मुखबिर की सूचना पर से थाना प्रभारी समान मय पुलिस टीम के दिनांक 19.10.24 को घेरबन्दी कर पकडा गया है। जिसने पूछताछ के दौरान दिनांक 07.10.24 को शिवम मिष्ठान के सामने से एक महिला का पर्स छुडाकर अपने साथी उस्मान आलम के साथ मोटर सायकल से भाग गये थे । गिरफ्तारसुदा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय मे पेश किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी– 1. सहबाज खान उर्फ लूला पिता अरमान खान उम्र-27 वर्ष निवासी जगन्नाथ मंदिर के पास विछिया थाना विछिया जिला रीवा।

महत्वपूर्ण भूमिका– उक्त कार्यवाही निरी. विकास कपीस, उनि. मुन्नालाल ,प्र.आर. 902 रविकान्त, आर. रोहित, आर. मकरध्वज, आर. महेन्द्र एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नेता सत्ता के नशे में चूर, प्रशासन बेलगाम, किसान खाद एवं मुआवजे के लिए भटके, किसान सभा

किसानों की फसलें हुई बर्बाद, जान देने की आई नौबत, बिरखड़ी नहीं पहुंचे पटवारी आर आई, तहसीलदार नहीं सुन रहा प्रशासन, किसान रोया खून के आंसू

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

भिंड- गोहद। जब किसानों को खाद की जरूरत नहीं थी,तब सरकार में बैठे लोगों द्वारा दाबे किए जा रहे थे कि खाद की कोई कमी नहीं है। और अति बर्षा से हुऐ नुकसान का सबको मुआवजा मिलेगा। लेकिन जब किसान की बोनी का समय आया तो सरकार और प्रशासन ने हाथ खड़े कर दिए। और बयान देने लगे कि खाद की जितनी डिमांड भेजी थी उतना खाद नही मिला। अति बर्षा से हुऐ नुकसान लगातार बढ़ती जा रही है। दूसरी तरफ अति बर्षा से किसानों की फसलें बर्बाद हुई ।3 अक्टूबर को भारी तेज आंधी और बारिश ने बिरखडी सहित कई दर्जन गांवों में धान की फसल को बर्बाद कर दिया । किसानों की फसलें हुई बर्बाद, जान देने की आई नौबत, नहीं सुन रहे एस डी एम, पटवारी और प्रशासन, किसान रोया खून के आंसू। प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा सर्वे तक करने नहीं पहुंचा। इसके लिए गोहद सर्किल के तेहसीदार एवं गोहद एस डी

एम जिम्मेदार है इनसे बार बार कहने भी इन्होंने सर्वे दल नहीं भेजा और न ही सर्वे कराई।किसान नेता ने कहा कि हमारे संगठन द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से लगातार सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है । लेकिन सरकार और प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। प्यास लगने पर कुआं खोदने जैसी हालत सरकार और उसके प्रशासन की हो चुकी है। किसान नेता ने कहा कि सरकार में बैठे लोग सत्ता के नशे में चूर है। प्रशासन बेलगाम हो चुका है। और प्रशासन और सरकार कुभकरण की निद्रा में सो रहा है। लिहाजा किसानों को रकबे के हिसाब से तत्काल खाद उपलब्ध कराया जाय। एवं धान की फसल एवं अति बर्षा से हुऐ नुकसान का मुआवजा दिया जाए। सरकार और उसके प्रशासन को जगाने के लिए 21अकटूबर को गोहद एस डी एम कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगी।

आरडीएसएस योजना के तहत मंजूर विद्युत सुधार कार्य तेजी से पूर्ण कराएँः सांसद

ग्वालियर। उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति, विश्वसनीयता और बिजली क्षमता में सुधार के लिए भारत सरकार ने आरडीएसएस (रिवाम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) शुरू की है। इस योजना के क्रियान्वयन में कोई ढिलाई न हो। जिले में इस योजना के तहत मंजूर कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएँ। साथ ही जिन ठेकेदारों की वजह से कार्यों में देरी हो रही है उन्हें नोटिस जारी करें। यह बात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने जिला स्तरीय विद्युत समिति की बैठक में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों से कही। उन्होंने पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण दीपावली से पहले कराने के निर्देश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को दिए। सांसद कुशवाह ने कहा कि विद्युत हानि (लॉस रिडक्शन) में कमी और विद्युत प्रणाली का आधुनिकीकरण इस योजना के सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं। इसलिए विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी विशेष रूचि लेकर योजना के कामों को जल्द से जल्द पूरा कराएँ, जिससे सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को बिजली की आपूर्ति हो सके। बैठक में जानकारी दी गई कि आरडीएसएस योजना लॉस रिडक्शन ग्रामीण के तहत 151 करो? 60 लाख रूपए लागत के कार्य प्रगतिरत हैं। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 193 करो? 61 लाख रूपए लागत के कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों को पूर्ण करने की समय-सीमा फरवरी 2025 तक निर्धारित है। सांसद कुशवाह ने इन कार्यों की धीमी प्रगति पर असंतोष जताया। उन्होंने कार्यों में तेजी लाने और देरी के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को दिए। सांसद कुशवाह ने शहर के नए वार्डों में स्थित अवैध कॉलोनियों में कराए गए विद्युतीकरण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराने के लिए भी कहा। उन्होंने शहरी वृत के अंतर्गत चल रहे कार्यों को भी तेजी से पूर्ण करने पर भी बल दिया। उन्होंने ओवरलोडेड ट्रांसफार्मरों की क्षमता ब?ाने की बात भी कही। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर नितिन मांगलिक व गामीण दिनेश सुखीजा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

विन्ध्य की उड़ान को लगे सुनहरे पंख!

– राजेन्द्र शुक्ल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब कहते थे कि वह दिन भी अब दूर नहीं जब हमारे देश के %हवाई चप्पल वाले लोग भी हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे% तब विरोधी इसे महज जुमला कहकर बात हवा में उड़ा देते थे। ऐसे लोगों को आज रीवा आकर देखना चाहिए कि सपना किस तरह यथार्थ के धरातल पर उतरकर चरितार्थ होता है। 20 अक्टूबर 2024 की तारीख विन्ध्यक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनने जा रही है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी चिरप्रतीक्षित रीवा हवाई अड्डे का लोकार्पण करने जा रहे हैं। इस अवसर पर लोकप्रिय मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, रीवा के प्रभारी मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल साथ ही विन्ध्य के सांसद-विधायक गण, उद्यमी व नागरिक गण हवाई अड्डे पर आयोजित गौरवमयी ऐतिहासिक समारोह के साक्षी रहेंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी रीवा में एक ऐसे हवाई अड्डे को लोकार्पित करने ने जा रहे हैं जो भविष्य में उत्तरमध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयर ट्रैफिक डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा ही इस क्षेत्र को विकास के

रीवा एयरपोर्ट लोकार्पण पर विशेष

उच्च पायदान पर स्थापित करेगा। औद्योगिक निवेश और पर्यटन के लिए वैश्विक संभावनाओं का पथ प्रशस्त होगा। दो वर्ष पूर्व इंदौर में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स मीट में विश्वभर के उद्यमियों के बीच माननीय ज्योतिरादित्य सिंधिया जी(तत्कालीन नागरिक विमानन व उड्डयन मंत्री) ने सगर्व यह घोषणा की थी कि हम मध्यप्रदेश का छठवे हवाईअड्डे को निर्मित और विकसित करने जा रहे हैं। उनकी इस घोषणा ने दुनियाभर के उन उद्योगपतियों के ध्यान को आकृष्ट किया जो यहाँ पावर व माइनिंग सेक्टर, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्रीज की संभावनाओं को देखते हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश करने वालों के लिए यह अवसरों का दरवाजा खोलने वाला है। यह सुयोग है कि 23 अक्टूबर को रीवा में विन्ध्य में

इन्वेस्टर समिट और रीजनल इन्डस्ट्रियल कान्क्लेव का आयोजन है। यह हवाई अड्डा विन्ध्यक्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से एक्सीलेटर की भूमिका निभाएगा यह मेरा दृढ़ विश्वास है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि रीवा का हवाईअड्डा कई चरणों में विकसित हो रहा है। प्रथम चरण में 72 सीटर यात्री विमान के उड़ान की सुविधा प्रारंभ हो रही है। पाँच साल में रीवा का हवाईअड्डा बोइंग की लैंडिंग और अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए बनकर तैय्यार रहेगा। वह दिन दूर नहीं जब यहां से विदेशों के लिए भी हवाई जहाज उड़ने लगेंगे। रीवा एयरपोर्ट शिलान्यास के बाद रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ है, इस उपलब्धि के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण व स्थानीय प्रशासन अभिनंदन का पात्र है। हवाई यातायात की सुविधा की दृष्टि से रीवा अब भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो की श्रेणी में आकर खड़ा हो गया है। भविष्य में हम और भी आगे बढ़ेंगे। देश में श्री मोदी जी और प्रदेश में डा. मोहन यादव के कुशल और फलदायी नेतृत्व के अनुभव को देखते हुए मैं यह विश्वास पूर्वक कह सकता हूँ कि अगले पाँच वर्षों के भीतर हम-सब का सपना पूर्णरूपेण यथार्थ के धरातल पर उतर जाएगा। यह विन्ध्य की आशाओं के केन्द्र रीवा के विकास का श्रेष्ठ व उन्नत दौर है जो स्वतंत्रता के अमृतकाल में प्रारंभ हो हुआ है। मैं जब कहता हूँ कि अब रीवा मध्यप्रदेश के ही नहीं देश के समुन्नत और श्रेष्ठ महानगरों की श्रेणी में कदमताल मिलाकर चल पड़ा है तो इसके पीछे ठोस आधार है। 1956 तक रीवा विन्ध्यप्रदेश की राजधानी रहा है और तब इसकी हैसियत भोपाल, लखनऊ, पटना और भुवनेश्वर जैसे शहरों के समकक्ष थी। कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक द्वेषवश रीवा से एक प्रदेश की राजधानी का गौरव छीन लिया।1956 से 2004 तक यह उपेक्षित और अभिशप्त पड़ा रहा। विन्ध्य में आज जो प्राकृतिक संसाधन हैं वो कल भी थे। आम नागरिकों में विकास की ललक और अपेक्षाएं कल भी वैसी ही थीं। केन्द्र में अटलजी और उसके बाद मोदीजी की नेतृत्व की व प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और अब डा.मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आहत और उपेक्षित विन्ध्यवासियों की पीड़ा और भावनाओं को समझा है। आज यह क्षेत्र कई मामलों देश में अग्रगण्य है। जब मैं कहता हूँ कि रीवा एयरपोर्ट उत्तरमध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयरपोर्ट होगा तो मेरी दृष्टि के सामने सिंगरौली का पावर काम्प्लेक्स उभरकर सामने आता है। सिंगरौली में थर्मल प्लांटस में 20,000 मेगावाट से ज्यादा विद्युत उत्पादन होता है।

पर्दे में रख वरना....

नेहा ककक्ड़

और उनके पति को निहंग सिंह की तरफ से मिली धमकी

अपनी आवाज से लाखों लोगों को दीवाना बनाने वालीं मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ अक्सर चर्चा में रहती हैं. अब सिंगर एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं. दरअसल, नेहा कक्कड़ और उनके रोहनप्रीत सिंह को धमकी मिली है. कपल को ये धमकी निहंग बुड्ढा दल से ताल्लुक रखने वाले निहंग मान सिंह की तरफ से दी गई. उन्होंने कपल को सोशल मीडिया पर 'आपत्तिजनक कंटेंट' के लिए चेतावनी दी है.

बाबा बुड्ढा दल के निहंग मान सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर लाइव होकर नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत को सोशल मीडिया से अपनी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो डिलीट करने की चेतावनी दी. साथ ही कपल को अपने रिश्ते को पर्दे के पीछे रखने के लिए कहा है.

नेहा कक्कड़ को दिया ये मैसेज

कई सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निहंग मान सिंह ने अपने लाइव पर कहा कि जो लोग ऑनलाइन अश्लील कंटेंट पोस्ट करते हैं, उन्हें पहले प्यार से समझाया जाएगा कि ऐसा न करें. हालांकि, दूसरी बार ऐसा करने पर उन्हें 'सबक सिखाया जाएगा'. निहंग मान सिंह ने कपल को धमकी देते हुए कहा कि नेहा कक्कड़ लोगों के सामने पति संग आपत्तिजनक हरकतें करती हैं, वो सब बंद कर दें, नहीं माने तो सबक सिखाएंगे. वो इसके लिए जेल भी जाएंगे, लेकिन समाज में किसी भी तरह की गंदगी नहीं होने देंगे.

च्पत्नी को पर्दे में रखना चाहिए

वीडियो में आगे मान सिंह अकाली ने नेहा कक्कड़ का नाम लिया और कहा कि वो बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ तक उनका संदेश पहुंचाएं कि पति को अपनी पत्नी को पर्दे के पीछे रखना चाहिए. आप लोगों ने पंजाब को बर्बाद कर दिया है. कुछ शर्म करो. हम मानते हैं कि आप लोग फिल्म स्टार और अच्छे सिंगर हैं, इसलिए आप कुछ अच्छा काम करें और अपनी सोच भी अच्छी रखो.

इंटरनेशनल स्टार

प्रियंका चोपड़ा

पहुंचीं मुंबई.... नई फिल्म नहीं इसलिए की वतन वापसी

इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा की वतन वापसी हो गई है. पीसी जब भी भारत आती हैं तो इस बात की चर्चा और तेज हो जाती है कि उनका अगला बॉलीवुड बिग प्रोजेक्ट क्या होगा. इस बार प्रियंका जब भारत आईं तो इस बात की चर्चा और तेज हो गई कि वह अपने नए प्रोजेक्ट के लिए यहां आई हैं हालांकि ऐसा नहीं है. प्रियंका हॉलीवुड में छाई रहती हैं. वह भले ही हॉलीवुड में काम कर रही हैं, लेकिन बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स से भी जुड़ी रहती हैं.प्रियंका बुधवार को अमेरिका से अपने देश वापस लौटीं. पीसी के एयरपोर्ट से बाहर आते ही उनको पैप्स ने स्पॉट कर लिया. प्रियंका ने पैप्स के सामने अपना नया बेली रिंग फ्लॉन्ट किया. प्रियंका ने काला चश्मा और नीली टोपी के साथ देशी अंदाज में मुंबई एयरपोर्ट पर एंट्री ली. एंट्री लेते ही प्रियंका ने बाहर खड़े फैन्स को झुककर नमस्ते भी किया.

प्रियंका ने शेयर की बेटी की तस्वीर

देसी गर्ल प्रियंका अक्सर अपने फैन्स के साथ पोस्ट शेयर करते नजर आती हैं. कुछ दिन पहले प्रियंका चोपड़ा ने अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस की एक क्यूट फोटो शेयर की थी. इस फोटो में मालती अपने दोस्तों के साथ खेल रही थीं. फैन्स को मालती की ये पिक काफी हार्टवार्मिंग लगी. तस्वीर पोस्ट करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा था, 'प्ले डेट'.

'मैक्स फैक्टर' के इवेंट के लिए आई हैं पीसी

जब से प्रियंका के भारत आने की खबर सामने आई थी तो हर कोई इस बारे में यही सोच रहा था कि पीसी अपने नए प्रोजेक्ट पानी के लिए इंडिया आई हैं लेकिन असल में प्रियंका काफी स्पेशल रीजन से इंडिया वापस आई हैं. प्रियंका भारत एक मेकअप ब्रांड 'मैक्स फैक्टर' के लॉन्च इवेंट के लिए मुंबई आई हैं. ब्रांड का ये इवेंट 18 अक्टूबर को मुंबई में है. इस इवेंट को कवर करने के लिए ग्लोबल मीडिया भी इस वक्त मुंबई में हैं.

निकिता पोरवाल ने जीता फेमिना मिस इंडिया का खिताब, इस फिल्म में आने वाली हैं नजर

16 अक्टूबर की रात को फेमिना मिस इंडिया 2024 का ग्रैंड फिनाले ऑर्गेनाइज किया. इंडिया की मोस्ट आईकॉनिक ब्यूटी पेजेंट की ये 60वीं एनिवर्सरी थी, जिसमें मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल को इस खिताब से नवाजा गया. यह इवेंट मुंबई के वर्ली में आयोजित किया गया था. निकिता एक एक्ट्रेस हैं, जो कि 18 साल की उम्र से एक्टिंग कर रही हैं. इस इवेंट में यूनियन टेरिटरी को रिप्रेजेंट करने वाली रेखा पांडे सेकेंड रनरअप रहीं.फेमिना मिस इंडिया 2023 की विनर नंदिनी गुप्ता ने निकिता के सिर पर ताज सजाया. इसके साथ ही नेहा धूपिया ने उन्हें मिस इंडिया सैश पहनाया. एक्ट्रेस संगीता बिजलानी ने इस इवेंट में परफॉर्म करने के साथ ही साथ रैंप वॉक भी किया. संगीता के अलावा इस इवेंट में एक्ट्रेस नेहा धूपिया और राघव जुयाल जैसे और भी कई सेलिब्रिटी रेड कार्पेट पर नजर आए. निकिता ने एक टेलीविजन एंकर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की है.

फिल्मों में कर चुकी हैं काम

फेमिना मिस इंडिया 2023 में 30 राज्यों के विनर ने पार्टिसिपेट किया. निकिता की बात की जाए तो उन्हें एक्टिंग के अलावा लिखने का भी शौक है, उन्होंने कई सारे नेशनल और इंटरनेशनल स्टेज ड्रामा लिखा हुआ है. निकिता के लिखे ड्रामा में 250 पेज की कृष्ण लीला भी है. निकिता होस्टिंग के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, फिल्म का टाइटिल 'चंबल पार' है.

सोशल मीडिया पर कम एक्टिव

निकिता पोरवाल सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं. उनके फॉलोअर्स की बात की जाए तो, इंस्टाग्राम पर उनके केवल 5 हजार फॉलोअर्स हैं. निकिता के अलावा ताडू लूनिया, जो फेमिना मिस इंडिया अरुणाचल प्रदेश 2024 हैं, उन्होंने टाइम्स मिस ब्यूटी विद अ परपज अवार्ड मिला. वहीं एंजेलिया मार्खोन, जो कि फेमिना मिस इंडिया मेघालय 2024 को टाइम्स मिस मल्टीमीडिया अवार्ड से नवाजा गया.

एक तरफ सलमान खान की जान को खतरा, दूसरी तरफ उनकी एक्स गर्लफ्रेंड करना चाहती हैं लॉरेंस बिश्नोई से बात

हाल ही में महाराष्ट्र के एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई, बाबा सिद्दीकी सलमान खान के करीबी थे. उनकी मौत के बाद से सलमान खान पर खतरा मंडरा रहा है. बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है, इस गैंग ने सलमान खान को भी धमकी दी है. हालांकि, जहां मुंबई पुलिस की तरफ से उनकी सुरक्षा और बढ़ा दी गई है, तो वहीं अब सलमान का बचाव करने के लिए उनकी एक्स गर्लफ्रेंड भी सामने आ गई हैं.सलमान खान एक वक्त पर एक्ट्रेस सोमी अली के साथ रिलेशनशिप में थे. साल 1999 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था. रिश्ता खत्म होने के बाद सोमी ने कभी भी सलमान खान के खिलाफ कुछ भी नहीं कहा, बल्कि हर बार उनके बचाव में खड़ी रही हैं. अब हाल ही में उन्होंने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को जूम कॉल पर बात करने के लिए इनवाइट किया है. सोमी फिलहाल अमेरिका में रहती हैं और वूमेन राइट एक्टिविस्ट बन चुकी हैं.

लॉरेंस बिश्नोई के लिए लिखा मैसेज

फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल में हैं. सोमी अली ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर पोस्ट की है. इसके साथ ही सोमी ने लिखा, ये लॉरेंस बिश्नोई के लिए एक डायरेक्ट मैसेज है, नमस्ते, लॉरेंस भाई, सुना भी है और देखा भी है कि आप जेल से भी जूम कॉल कर रहे हो, तो मुझे आपसे कुछ बातें करनी हैं. कृपया करके मुझे बताएं कि ये कैसे हो सकता है ? हमारी पूरी दुनिया में सबसे पसंद की जगह राजस्थान है. हम आपके मंदिर आना चाहते हैं पूजा के लिए पर पहले आपसे जूम कॉल हो जाए और कुछ बातें तय हो जाएं पूजा के बाद, फिर यकीन मानिए की ये आपके फायदे की बात है. अपना मोबाइल नंबर दे दीजिए बड़ा एहसान होगा आप का. शुक्रिया.

सलमान की तरफ से मांगी है माफी

इसके पहले भी सोमी अली ने इस मुद्दे पर बिश्नोई समाज को अपना मैसेज दिया था. मई 2024 में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि अगर आप किसी को मारने की कोशिश कर रहे हैं या उस पर बंदूक चला रहे हैं, तो आप अपनी सीमा पार कर रहे हैं. मैं शिकार को किसी भी तरह के स्पोर्ट्स के तौर पर सपोर्ट नहीं करती हूं, लेकिन जो घटना हुई वो काफी समय पहले की बात है. सलमान 1998 में कम उम्र के थे, मैं बिश्नोई समाज के मुखिया से ये रिक्वेस्ट करती हूं कि वो ये भूलकर आगे बढ़े. मैं उनकी की हुई गलती की तरफ से आप सभी से माफी मांगती हूं, उन्हें माफ कर दें.

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 02 घण्टे के अन्दर किया कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार

पत्रकार सतीश परिहार

शिवपुरी। दिनांक 19.10.24 को जिला अस्पताल से जानकारी प्राप्त हुयी कि एक 09 वर्षीय बालिका अस्पताल में घायल अवस्था में इलाज हेतु भर्ती हुयी है जिसके गुप्तांग से खून निकल रहा है सूचना की गंभीरता को देखते हुये तत्काल ही जिला अस्पताल पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी ली तो पीडिता की दादी ने बताया कि कल रात की बात है हम लोग अहमदाबाद से काम से लौटकर अपने घर जा रहे थे, रात होने से बस स्टेण्ड शिवपुरी पर रूक गये थे रात में छोटू रावत नि0 करसेना सुभाषपुरा का हमारे पास आया था और हमसे बातचीत कर पहचान निकला रहा था वह हमारे पास ही बैठ गया था तभी रात्रि करीब 10.30 बजे मैं व मेरे पति बस स्टेण्ड पर खाने के लिये कुछ सामान लेने के लिये चले गये थे थोडी देर बात वापस आये तो देखा कि मेरी नातिन जोर जोर से रो रही है एवं उसके गुप्तांग से खून निकल रहा था तब नातिन ने बताया है कि अभी पास में बैठा छोटू रावत ने मेरे पेशाब करने वाली जगह पर हाथ डाला है जिससे मुझे खून निकल आया और भाग गया जो फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना कोतवाली पर अप.क्र. 658/24 धारा 64,65 (2) बीएनएस 3/4 पोक्सो एक्ट 3(1) (डब्ल्यू) (2), 3(2) व्ही एससीएसटी एक्ट का

पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया अपराध की गंभीरता को देखते हुये, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी को पकडने हेतु निर्देशित किया गया। आरोपी को पकडने हेतु टीमें गठित की गयी एवं घटना स्थल से भौतिक साक्ष्य एकत्रित किये गये एवं आरोपी की तलाश हेतु आरोपी के उठने बैठने के विभिन्न स्थानो पर दबिश दी गयी एवं सीसीटीव्ही फुटेज चैक कर रूट निर्धारित किया गया, विश्वसनीय सूत्र के सूचना पर कृष्णपाल उर्फ छोटू पुत्र कप्तान सिंह रावत उम्र 33 साल नि0 करसेना थाना सुभाषपुरा जिला शिवपुरी को बस स्टेण्ड शिवपुरी के पीछे मनियर रोड से गिर0 किया गया आरोपी के संबंध में ज्ञात किया तो आरोपी की आम शोहरत ठीक नही है आरोपी के आपराधिक रिकार्ड के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा आरोपी की गिर0 करने वाली टीम को उत्साहवर्धन हेतु उचित इनाम देने की घोषण की है। **सराहनीय भूमिका**–उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली टीआई रोहित ट्वे, महिला थाना प्रभारी टीआई सोनम रघुवंशी, उनि0 पूजा घुरैया, उनि0 अरविन्द छारी, उनि0 सुमित शर्मा, सउनि0 अमृतलाल, प्र.आर. 504 ऊदल, प्र0आर0 15 रघुवीर पाल, प्र0आर0 374 गजेन्द्र परिहार, प्र0आर0 570 विनय कुमार सिंह, प्र0आर0 335 महेश भास्कर, प्र0आर0 562 जानकीलाल, आर0 265 देवेन्द्र रावत, आर. 767 अजीत, आर. 248 भोला राजावत, आर0 709 शिवांशु, आर0 631 अजय यादव की विशेष भूमिका रही।

प्रदेश संगठन ने सहकार भारती की कमेटियां भंग की

कार्यकर्ताओं से सम्पर्क व सहमति से शीघ्र होगा नवीन कार्यकारिणी का गठन

ललितपुर। सहकार भारती उत्तर प्रदेश की पर्यवेक्षक कमेटी के कर्मवीरजी प्रदेश संघठन प्रमुख, सतीशचन्द्र कठेरिया प्रदेश मंत्री एवं अंचल अडजरिया विभाग संयोजक झांसी विभाग द्वारा जनपद के पी.डब्लू.डी. गेस्ट हाऊस के मीटिंग हॉल में संगठन के सभी पुराने एवं नये कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। सभी कार्यकर्ताओं द्वारा फूलमालायें पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। बैठक का शुभारम्भ राजकुमारी बुन्देला द्वारा सहकार गीत के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रदेश संघठन प्रमुख कर्मवीरजी ने बताया कि पिछले कुछ माह से प्रदेश संगठन द्वारा समस्त जिलों की कमेटियां भंग कर दी गई थीं जिसके क्रम में प्रदेश नेतृत्व की पर्यवेक्षक कमेटी द्वारा सभी जिलों में भ्रमण कर कार्यकर्ताओं से सम्पर्क एवं सर्व सहमति से विचार-विमर्श करके शीघ्र ही जिले में नई कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। प्रदेश मंत्री सतीशचन्द्र कठेरिया ने सभी कार्यकर्ताओं का परिचय लिया एवं कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुये संगठन चलाने के मुख्य सूत्र बताये। विभाग संयोजक झांसी विभाग ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग संयोजक अंचल अडजरिया में एवं संचालन आलोक जैन ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश सह प्रमुख महिला प्रकोष्ठ नीलम सोनी, प्रदेश सह प्रमुख एफपीओ प्रकोष्ठ सुरेन्द्र पस्तोर, बृजेश गुप्ता, विभूति भूषण चैरसिया, अशोक सेन, शुभम पस्तोर, अनमोल पाठक, आलोक जैन, कुंजबिहारी शर्मा, शुभम जैन, धरमसिंह कुशवाहा, हाकिमसिंह निरंजन, आलोक खजुरिया, राघवेन्द्र वर्मा, रूपेश सोनी, कन्हैया कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, अमन रैकवार, राजकुमारी बुन्देला, रजनी राजपूत, चन्दा पाल, साधना राजपूत, कुसुम कुशवाहा, खुशबू रजक, पूनम रैकवार, प्रीति रैकवार, हेमलता, रेनुका सेन, राजकुमारी, नीतू, शीला, राजदा, तरन्नुम, वर्षा, सुनीता अहिरवार आदि उपस्थित रहीं। अंत में विभूति भूषण चैरसिया ने सभी उपस्थित लोगों का आभार प्रकट किया।

बिना लाइसेंस प्राप्त बच्चों को कदापि न दें वाहन: आलोक तिवारी

संदिग्ध वाहनों के विरुद्ध यातायात पुलिस ने चलाया प्रमुख बाजारों में चैकिंग अभियान

ललितपुर। करबा चैथ के साथ आगामी समय में आने वाले धनतेरस, दीपावली जैसे महापर्वों के दृष्टिगत इन दिनों शहर के प्रमुख बाजारों में लोगों

की भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में कहीं जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और कहीं भी संदिग्ध वाहन विचरण न कर सकें, इसको दृष्टिगत रखते हुये शनिवार को यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने अपने हमराहियों के साथ शहर भर में भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने संदिग्ध वाहनों के खिलाफ सघन चैकिंग अभियान चलाया तो वहीं जाम न लगे इसके लिए समुचित ट्रेफिक व्यवस्था बनाये रखी। गौरतलब है कि पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी के आदेश, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देश और एएसपी अनिल कुमार व सीओ ट्रैफिक के निकट पर्यवेक्षण में शहर की यातायात व्यवस्था को आम दिनों की अपेक्षा त्यौहारी सीजन में सुदृढ़ बनाये रखने के लिए यातायात पुलिस काफी संजीदा है। त्यौहारों पर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीददारी के लिए उमडने वाली भीड़ और सडकों पर वाहनों की आवाजाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यातायात पुलिस कड़ी मशक्कत भी कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने शहर के प्रमुख बाजार, चैराहों, तिराहों, मार्केटों और धार्मिक स्थलों के आसपास सघन चैकिंग अभियान चलाया। यहां वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाते हुये वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। साथ ही बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे वाहन कदापि न चलायें, अन्यथा चालान के अलावा अन्य विधिक कार्यवाही से गुजरना पड़ सकता है। उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि लाइसेंस बनने के पहले बच्चों को वाहन चलाने को न दें। इस दौरान यातायात प्रभारी के साथ अन्य यातायात आरक्षी भी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीआईजी ने सुनी फरियादियों की समस्यायें

धनतेरस व दीपावली पर्व के दौरान सतर्कता, सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त रखने के दिये निर्देश

ललितपुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक झाँसी परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी द्वारा सदर तहसील परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग कर सिटी सर्किल के थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक कर अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिये। इसी के साथ वहां मौजूद फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा राजस्व सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण हेतु पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम को स्थलीय निरीक्षण हेतु मौके पर भेजा गया। डीआईजी ने धनरतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज आदि त्योहारों के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सजग एवं सतर्क होकर कार्य करने के निर्देश दिए है। धनतेरस और दीपावली पर्व के दौरान बस स्टैंड, स्टेशन, चैराहों आदि स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ ही सभी पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी लगातार भ्रमणशील रहेगें। धनतेरस और दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में भारी भीड़ को लेकर बाजारों में जाम आदि की समस्या उत्पन्न होने की सम्भावना के

दृष्टिगत व्यापारिक प्रतिष्ठान के मालिकों/ व्यापारियों से वार्ता कर सीसीटीवी, यातायात डायवर्जन, वाहन पर्किंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाये । सर्किल के थानों पर थानो पर लंबित विवेचना, विशेषकर एससी एसटी एक्ट, महिला संबंधी अपराध, पाक्सो एक्ट पंजीकृत अभियोगों की विवेचनाओं की समीक्षा कर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी का दायित्व निर्धारित करते हुए पर्यवेक्षण में सुधार लाने तथा साक्ष्य संकलन एवं गुणदोष के आधार पर अभियान चलाकर विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये गये है। सात वर्ष से कम की सजा वाले लंबित अभियोगों की क्षेत्राधिकारी स्वयं समीक्षा करते हुए उनका निस्तारण कराएं। अवैध खनन, अवैध शराब व भूमाफियाओं को गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों को अभियान चलाकर चिह्नित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया तथा जुआ, सट्टा व मादक पदार्थ की बिक्री आदि संगठित अपराधों पर पूर्ण रुप से रोक लगाने हेतु निर्देशित किया गया। विवेचनाओं में गुणवत्तापूर्ण साक्ष्य संकलन करते हुए नए आपराधिक कानून के अन्तर्गत नियमानुसार साक्ष्यों को सम्मिलित करते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिये गए है। गम्भीर अपराधों के अभियुक्त जैसे हत्या, लूट, डकैती, गैंगरेप, गौ तस्करी, वाहन चोरों, मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही करने तथा गैंगस्टर के अभियुक्तों के विरूद्ध धारा 14(1) अंतर्गत संपत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही के निर्देश दिए गये।

कांग्रेसियों में ठन रही रार, अब आयी सड़कों पर

वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी के कुछ नेताओं को बताया चुनावजीवी

ललितपुर। राजघाट रोड के पास कांग्रेसियों की महत्वपूर्ण बैठक बायोवृद्ध वरिष्ठ कांग्रेस नेता एड. बहादुर अहिरवार की अध्यक्षता में संपन्न की गई। बैठक में झांसी के नेताओं का बहिष्कार व ललितपुर में खत्म हो रहे संगठन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे बहादुर अहिरवार ने गंभीर आरोप लगाते हुये कहा कि इस समय जिले की कांग्रेस चंद दलालों के हाथों में फंस गई है, जो सिर्फ चुनाव में ही सक्रिय दिखते ओर उसी में अपना उल्लू सीधा कर लेते और यह समय सच्चे कांग्रेसी का संघर्ष का समय चल रहा है। हम सभी को जिला कांग्रेस कमेटी में चंद प्रभावशाली लोगों से आजाद करवाना है, अगर इसके लिए कुर्वानी भी देनी पड़ेगी तो वह भी करेंगे। कांग्रेस हमारी मां है और माँ की सुरक्षा कैसे करनी पड़ती है। वह हम बखूबी जानते है। चुनावजीवी व दलालों व इनका साथ देने वाले झाँसी नेताओं को कतई बर्दास्त नही किया जाएगा। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष नेहा तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में भी बहुत से लोग आरएसएस के जुड़ गए हैं, जो न तो कांग्रेस की विचारधारा को समझते हैं और न ही कांग्रेस के सिद्धांतों को जानते हुए हैं, ऐसे में हमें कांग्रेस के मूल सिद्धांतों पर वापस लौटना होगा। सभा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनीष श्रीमाली ने बताया कि किस तरह झांसी के चंद पैसे वाले लोग ललितपुर जिले कि कांग्रेस को चला रहे हैं, न केवल वह अपने मोहरे जिला कमेटी में बैठा रहे हैं बल्कि रूपयों का भी आदान-प्रदान होने के संकेत मिलते हैं, इसलिए कांग्रेस को अब दलालों से मुक्त करना ही होगा, चाहे इसके लिए हमें सडकों पर ही क्यों ना उतरना पड़े। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मकरंद किलेदार ने बताया है, कि संघर्ष और नैतिकता की सारी जिम्मेदारी केवल राहुल गांधी की नहीं है, अब हमें भी जननेता राहुल गांधी के सिद्धांतों को आगे ले जाकर संघर्ष का रास्ता अपनाकर कांग्रेस के अंदर घुसे संघी मानसिकता के लोगों को हटाना होगा और यह कोई विरोध प्रदर्शन नहीं है। यह मात्र कांग्रेस शुद्धिकरण कार्यक्रम चल रहा है, क्योंकि पुख्ता जानकारी है, कि झांसी में बैठे प्रभावशाली नेता रूपयों की दम पर जिला कांग्रेस के पदों की बिक्री कर रहे हैं। इस दौरान नदीम शबनम, अंकित यादव, अजय तोमर, मोंटी शुक्ला, उवेश खान, सुनील खजुरिया, संजय जाटव, नाती राजा, चीकू पठान, पुष्पेंद्र चैहान, आसिफ खान, इरफान खान, जितेंद्र विश्वकर्मा एवं प्रेम नामदेव मौजूद रहे।

पुरुषों के समान अधिकारों को प्राप्त हैं महिलायें:एडीजे

नेहरू महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 को लेकर विधिक साक्षरता शिविर संपन्न, अप्राप्त वर्ग को सक्षम निशुल्क विधिक सेवा प्रदान की जाती है रू पुष्पेन्द्र सिंह चैहान

ललितपुर। जिला जज ध् अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आलोक कुमार पाराशर के निर्देशानुसार एडीजेध्सचिव यशवन्त कुमार सरोज की अध्यक्षता में नेहरू महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत निशुल्क विधिक सहायता पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान एडीजेध् सचिव यशवन्त कुमार सरोज ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं हैं। घर हो या कार्यस्थल महिलाएं आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाएं खड़ी हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाएं अपना योगदान न दे रही हों। घर हो या बाहर महिलाएं अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं। महिलाओं के अधिकारों की धारणाओं के साथ सामान्यतरू जुड़े मुद्दों में शारीरिक अखंडता और स्वायत्तता का अधिकार, यौन हिंसा से मुक्ति, वोट देने का अधिकार, सार्वजनिक पद धारण करने का अधिकार, कानूनी अनुबंध करने का अधिकार, पारिवारिक कानून में समान अधिकार, काम करने का अधिकार, उचित मजदूरी या समान वेतन, प्रजनन अधिकार, स्वामित्व का अधिकार आदि शामिल हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वार हमेशा महिलाओं को विधिक सेवा प्रदान करने के लिए खुले हुए हैं,महिलाएं विधिक जानकारी हेल्पलाइन नंबर 15100 पर कॉल करके विधिक जानकारी ले सकती हैं। पैनल अधिवक्ताध्जेल विजिटर पुष्पेन्द्र सिंह चैहान

द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि गरीब, निर्बल, असहाय, महिलाओं, बच्चों, बन्दियों, वृद्धजन आदि को निशुल्क विधिक रूप से सक्षम करने के लिये 09 नवम्बर 1987 को विधिक सेवा अधिनियम लागू किया गया। इसके अन्तर्गत अप्राप्त वर्ग को सक्षम निशुल्क विधिक सेवा प्रदान की जाती है। इस हेतु प्रत्येक जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तहसीलों में तहसील विधिक सेवा समिति की स्थापना की गयी है। इन कार्यालयों में उपरोक्त सभी प्रकार के सहायतायें निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में अवगत कराया गया। वन स्टॉप सेंटर की पूनम शर्मा छात्र- छात्राओं को अवगत कराया गया कि वह बिना लाइसेस के वाहन न चलायें, महिलाओं को सम्पत्ति में बराबर का अधिकार, दहेज प्रथा, बाल-विवाह, अनिवार्य शिक्षा योजना,भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा के साथ हेल्पलाइन नंबर 1076,1090,181,112,102,108,1098,101,1930 आदि नंबरों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। नेहरू महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.ओमप्रकाश शास्त्री ने मां भगवती का स्मरण करते हुए महिलाओं को शक्ति का रूप बताया और कहा कि नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वालंबन के क्षेत्र मजबूत होने की आवश्यकता है। आए हुए समस्त अतिथियों एको धन्यवाद प्रेषित किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी रोहित राठौर और विकास कुशवाहा द्वारा महिला कानूनों से संबंधित प्रपत्र वितरित किए गए। इस दौरान डा.ओ.पी.चैधरी, डा.दीपक पाठक, डा. राजीव निरंजन, डा.वर्षा साहू, डा.अनीता, डा.जितेंद्र कुमार, डा.मनोज आदि उपस्थित रहे।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यहीं देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरु तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

समाज में अपराध बढ़ने का सबसे महत्वपूर्ण कारण नशाः एसपी धर्मवीर

एनडीपीएस एक्ट के अपराधों में गुणात्मक विवेचना के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। समाज में अपराध बढ़ने का सबसे महत्वपूर्ण कारण नशा है, किसी भी अपराध में नशा किये हुए व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध सामान्य से ज्यादा गंभीर होता है। समाज में अपराध को कम करने के लिए सबसे प्रभावी एजेंसी पुलिस है, इसलिए हम सभी को नशे पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए प्रतिबद्ध होना पड़ेगा। यह बात शनिवार को पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम सभागार ग्वालियर में जिले के पुलिस अधिकारियों के लिये एनडीपीएस एक्ट के अपराधों में गुणात्मक अनुसंधान विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में कहीं। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि समाज में अपराध को कम करने के लिए सबसे प्रभावी एजेंसी पुलिस है, इसलिए हम सभी को नशे पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए प्रतिबद्ध होना पड़ेगा। हमारी

एनडीपीएस की कार्यवाही ऐसी हो कि अपराधी दोष मुक्त न हो। उन्होंने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे प्राप्त जानकारी से भविष्य में एन.डी.पी.एस. की कार्यवाही में दोष सिद्धियों में बेहतर परिणाम आयेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। कार्यशाला में एजीपी एनडीपीएस एक्ट धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने एनडीपीएस के प्रकरणों की विवेचना प्रक्रियात्मक त्रुटिरहित होने के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला के प्रथम सत्र में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्टएवं एडीपीओ संतोष शर्मा व एडीपीओ एम.एल. गुप्ता ने थानों से आए लगभग 75 विवेचना अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट की विवेचना की बारीकियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पश्चिम) गजेन्द्र सिंह वर्धमान, रक्षित निरीक्षक ग्वालियर रणजीत सिंह, सूबेदार अनुपम भदौरिया, सूबेदार आयुष मिश्रा उपस्थित थे।

माता-पिता के सम्मान बिन प्रसन्न नहीं होंगे भगवानः माधव

ग्वालियर। जो लोग मंदिर तो जाते हैं,लेकिन घर के बैठे माता-पिता का सम्मान और सेवा नहीं करते हैं, वे मंदिर में कितने ही लोटा चढ़ा लें, उन्हें कोई पुण्यफल मिलने वाला नहीं है। मंदिर में बैठे प्राण प्रतिष्ठत भगवान उन्हीं पर कृपा करते हैं,जो घर में बैठे ईश्वरतुल्य माता पिता का ख्याल रखते हैं। यह विचार पं माधव शास्त्री ने माहेश्वरी भवन में आयोजित हो रही श्रीरामकथा के विश्राम दिवस शनिवार को व्यक्त किए। पंचायत माहेश्वरी डीडवाना साथ द्वारा आयोजित रामकथा में पं माधव महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति की राम चरित्र मानस में पूर्णतः श्रद्धा हो जाती है, उस पर रामकृपा होना शुरू हो जाती है, इसलिए घर में परिवार सहित कम से कम एख दोहा का अर्थ सहित पाठ जरूर करें। मानस को जीवन में उतार लिया तो फिर जीवन में और कुछ करने की आवश्यकता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो जैसा करता है, उसे वैसा ही प्रतिफल मिलता है। उन्होंने कहा कि हम अपने सुख-दुख की चाबी दूसरे को सौंप देते हैं, कोई दूसरा व्यक्ति हमें दुखी नहीं कर सके , हमें अपनी मन की शक्ति को इतना मजबूत कर लेना चाहिए। कथा के बाद सुंदरकांड हुआ, तत्पश्चात हवन पूजन एवं प्रसादी वितरण हुआ। इस अवसर पर केशव शर्मा, गोविंद पंसारी, बालकिसन, राजेश सोमानी, राजेंद्र अग्रवाल, रीतेश लाहोटी, गोविंद दास जोहरी, चंद्रमोहन नागौरी, राकेश बांगड़ हरीशंकर शर्मा, आनंद मोहन लखोटिया, डॉ प्रदीप राही, राम उपाध्याय, नीलकमल माहेश्वरी, स्मिता बागड़, स्नेहलता नागौरी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

डेंगू से बचाव के लिए करें योगाभ्यासः चाकणकर

ग्वालियर। इस वर्ष डेंगू के मामलों में भारी उछाल चिंता का विषय बन गया है। डेंगू से बचाव के लिए सभी लोगों को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक रखने पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। इम्युनिटी मजबूत होने से संक्रमण की स्थिति में गंभीर रोग होने का खतरा कम होता है और तेजी से रिकवरी भी की जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति डेंगू के शिकार हैं तो दिनचर्या में कुछ बदलाव करके तेजी से इस समस्या से रिकवर कर सकते हैं। यह बात जिला योगप्रभारी दिनेश चाकणकर ने शासकीय उमावि डीआरपी लाइन पीएम श्री विद्यालय में विद्यार्थियों के योगाभ्यास के दौरान व्यक्त किये। जिनमें विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और इलेक्ट्रोलाईट भरपूर मात्रा में हों। संतरा, नींबू, किवी और अंगूर जैसे सिट्रस फल विटामिन सी का अच्छा स्रोत होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद

श्री चाकणकर ने कहा कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को तेज बुखार, उल्टी, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है और भूख कम लगती है। दोबारा ताकत हासिल करने और संक्रमण की जटिलताओं को कम करने के लिए वज्रासन, पश्चिमोत्तानासन, अनुलोम-विलोम तथा कपालभाति सहायक हो सकते हैं। श्री चाकणकर ने कहा कि डेंगू में प्लेटेलेट्स कम हो जाते हैं इसलिये ऐसे फल खाएं करते हैं। अनन्नास और पपीता में मौजूद एंजाइम पाचन की क्रिया में मदद करके सूजन को कम करते हैं। पपीता की पत्तियों में एसिटोजेनिन पाया जाता है, जो एक अद्वितीय फाईटोकैमिकल है। यह डेंगू पीड़ितों के लिए एक प्रभावशाली उपचार माना जाता है। इससे प्लेटेलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती है और शरीर में पुनः ऊर्जा आती है। अवलोकन के दौरान विकासखंड योग प्रभारी गोविंद मेहरोत्रा भी साथ थे।

मुरैना में मकान में विस्फोट, मकान गिरने से मलबे में दबे लोग

तीन मकान क्षतिग्रस्त, सिलेंडर फटने से पटाखों में आग लगने की आशंका

मुरैना। शनिवार को मुरैना में एक मकान में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान भरभराकर गिर गया। धमाके से आसपास के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। मलबे में मां और बेटी दब गई है। प्रशासन उन्हें बचाने के लिये रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है। पता चला है कि पटाखों के बारूद में विस्फोट से यह हादसा हुआ है। वहीं कुछ सूत्र सिलेंडर में विस्फोट होने की बात कह रहे है। घटना इस्लामपुरा में शनिवार दोपहर को हुई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है।

जानकरी के अनुसार इस्लामपुरा में रहने वाले गजराज राठौर के मकान में शनिवार दोपहर को विस्फोट हो गया। जिससे उनका मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। विस्फोट से गजराज के बगल के दो मकान और पीछे बना एक अन्य मकान भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। विस्फोट के बाद मकान के मलबे में एक महिला और एक बच्चे सहित कई अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस और नगर निगम के कर्मचारी मलबा हटाकर दबे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। घटना के एक घंटे बाद भी किसी को मलबे से बाहर नहीं निकाला जा सका था। प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया है, ताकि बचाव अभियान में तेजी लाई जा सकें। इस्लामपुरा में विस्फोट इतना तेज था कि पूरा मौहल्ला हिल गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि धमाका इतना भयानक था कि ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। कई मकानों में धमाके के कारण दरारें भी आ गई हैं। हादसे की सूचना पर टीम ने एक घायल महिला को मलबे से सुरक्षित निकाला और अस्पताल पहुंचाया। रेस्क्यू के चलते पूरे क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद कर दी

गई। हादसे के समय जमील के दोनों बेटे अरबाज तथा आर्य स्कूल गए थे। पहले पटाखे बनाते समय विस्फोट की जानकारी सामने आई थी। बाद में पुलिस ने बताया कि घर के अंदर रखे सिलेंडर में विस्फोट हुआ है। पुलिस ने बताया था कि मकान में पटाखे भी रखे थे। सिलेंडर से पटाखे में आग लगी और पूरा मकान गिर गया। इस विस्फोट से आगे-पीछे के दो-तीन मकानों को नुकसान पहुंचा है। लोगों ने बताया था कि मकान में टेंट के सामान के साथ पटाखे रखे थे। वहीं रसोई गैस के सिलेंडर भी रखे थे। मुरैना एसपी समीर सौरभ ने कहा कि सिलेंडर ब्लास्ट की सूचना मिली थी। एक घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। साथ ही दो-तीन मकानों को भी नुकसान हुआ है। एक महिला को इसमें से निकाल लिया है। विस्फोट किन कारणों से हुआ है, इसकी जांच चल रही है। मुरैना के अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने कहा था कि बारूद की गंध नहीं आ रही है। अगर बारूद होता तो आग भी फैलती। प्रथम दृष्टया सिलेंडर विस्फोट लग रहा है। मलबे में दो से तीन लोगों के दबे होने की आशंका है। इस्लामनगर के जिस मकान में विस्फोट हुआ है उसके प?ोस में रहने वाले धर्मेंद्र गुर्जर का कहना है कि लल्ला राठौर, निरंजन राठौर और उसके पिताजी एकसाथ पटाखे बनाने का काम करते थे। पटाखों के बारूद में विस्फोट हो गया। चार मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसमें मेरा भी मकान क्षतिग्रस्त हुआ है।

पुलिस अपराध नियंत्रण में कोई कसर नहीं छोड़ेगीः अमित सांघी

कनफ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के तत्वावधान में कैट की कोर टीम के सदस्यों के निमंत्रण पर ग्वालियर के डीआईजी पुलिस अमित सांघी जी ने होटल रॉयल इन में पधार कर ग्वालियर में अपराध नियंत्रण विषय की परिचर्चा में भाग लिया

स्वागत भाषण में कैट के ज़िलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा कि ग्वालियर में अपराध होने के पश्चात अपराधियों को पकड़ने एवं माल बरामदगी का रिकॉर्ड काफ़ी अच्छा है लेकिन अपराधियों में पुलिस का उस सीमा तक भय नहीं है कि अपराधी अपराध करने से डरे. वारदातों में कमी नहीं है खुफ़िया तंत्र की मज़बूती की भी आवश्यकता है. साइबर आपराधों की बाढ़ सी आगई है रोज़ाना कोई ना कोई नागरिक ठगा जा रहा है. इसके लिए साइबर अपराधियों के मज़बूत तंत्र को तोड़ने के प्रयास के साथ ही इनके एक्सपर्ट्स का बाज़ारों में कैम्प लगाकर व्यापारियों को इनसे बचने के तरीक़े सुझाए जाएँ. ग्वालियर की ट्रैफ़िक व्यवस्था सबसे बुरे दौर से गुजर रही है. इसके प्रभावी उपाय किए जाएँ. अमित सांघी ने अपने संबोधन में बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के नैतृत्व में हाल ही में कई अपराधी माल सहित पकड़े हैं उन्होंने कई प्रकरणों का उदाहरण भी दिया . उन्होंने ग्वालियर के व्यापारी संगठनों की सराहना करते हुए कहा कि ग्वालियर के व्यापारी बार बार आंदोलन ना कर, पुलिस पर विश्वास करते हैं जिससे हमे अपराधी को पकड़ने आसानी हो जाती है .साइबर क्राइम से बचने के लिए उसके एक्सपर्ट्स का लगातार कैम्प लगाया जाएगा. ट्रैफ़िक समस्या को स्वीकारते हुए उन्होंने बताया कि इसमें कई शासकीय एजेंसी काम करती हैं. पुलिस और ज़्यादा बेहतर समन्वय स्थापित कर ट्रेफ़िक समस्या पर क़ाबू पाने का प्रयास करेगी .इस कार्यक्रम में प्रदेश कैट से अशोक गोयल ,हरीकान्त समाधिया, राजीव चड्ढा, मुकेश कुमार जैन पूर्व ज़िलाध्यक्ष दीपक पमनानी, महिला विंग की अध्यक्ष डॉ गरिमा वैश्य एवं सचिव सीए शुभांगी चतुर्वेदी के अतिरिक्त ज़िला संयोजक दिलीप पंजवानी, संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन, जे सी गोयल, गोपाल जायसवाल उपाध्यक्ष, समीर अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल .सह महामंत्री मुकेश अग्रवाल (राज टॉकीज) सह कोषाध्यक्ष नितिन गोयल संगठन मंत्री, हरिओम चौरसिया, सह कोषाध्यक्ष नितिन गोयल, प्रवक्ता नीरज चौरसिया, अंशुल तपा ऑडिटर मनोज अग्रवाल, सोशल मीडिया प्रभारी प्रतीक अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में कोर सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन महामंत्री विवेक जैन एवं आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष सीए मयूर गर्ग ने किया.

बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) क्रमांक-69 का दीक्षांत परेड संपन्न

टेकनपुर/ ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) क्रमांक 69 की भव्य दीक्षांत परेड का आयोजन शनिवार 19 अक्टूबर को किया गया। इस परेड में 08 प्रशिक्षु महिला उपनिरीक्षक सहित कुल 154 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों ने अपर महानिदेशक एवं अकादमी निदेशक सेवांग नामग्याल को सलामी दी। परेड के कमाण्डर प्रशिक्षु उपनिरीक्षक हनी थी। सभी प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों ने मुख्य अतिथि सेवांग नामग्याल के समक्ष देश के संविधान के प्रति एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाये रखने के लिये अपने आपको समर्पित करने की शपथ ली। अकादमी के संयुक्त निदेशक महानिरीक्षक ब्रजेश कुमार, उप महानिरीक्षक नारायण चन्द, जसबीर सिंह, एच एस बेदी, कमाण्डेंट, संजय टंडन, कमांडेंट एवं अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र अकादमी की प्रशिक्षण टीम के कुशल मार्गदर्शन में इन अधीनस्थ अधिकारियों ने कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने आपको देश की सीमाओं की देखभाल के लिए सक्षम बनाया है। इन प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों को 50 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण में शारीरिक

प्रशिक्षण, ड्रिल, युद्ध कौशल, निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, विधि व कानून, मानवाधिकार अधिनियम, पुलिस की रोजमर्रा की कार्यवाही, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग, सीमा की निगरानी, आतंकवाद व उग्रवादियों से लड़ने जैसे विषयों के साथ वाहन चलाना, कम्प्युटर प्रशिक्षण, तैराकी, घुड़सवारी और एडवेन्चर ट्रेनिंग का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग के दौरान इनके व्यक्तित्व को संवारने, चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता को विकसित करने पर विशेष कार्यक्रम चलाये गये हैं। ट्रेनिंग के दौरान इन प्रशिक्षुओं को देश के विभिन्न सीमान्तों की सीमाओं का शैक्षणिक भ्रमण (बार्डर टूर) भी करवाया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेवांग नामग्याल ने परेड का निरीक्षण किया और प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अव्वल आये निम्न प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों को ट्राफियां वितरित की।

जिसमें बेटन ऑफ ऑनर (ऑल राउण्ड प्रथम) उपनिरीक्षक पवनकुमार को,विकाश भारद्वाज ट्रॉफी (ऑल राउण्ड द्वितीय) उपनिरीक्षक शिखा नेगी को , वाधवा ट्रॉफी (निशानेबाजी प्रशिक्षण में प्रथम) उपनिरीक्षक दीनानाथ को , चंदेल ट्रॉफी (खेल एवम शारिरिक प्रशिक्षण में प्रथम) उपनिरीक्षक अक्षय ढवालिया को , नरेश यादव ट्रॉफी (ड्रिल प्रशिक्षण में प्रथम) उपनिरीक्षक हनी को ,निदेशक ट्रॉफी (आन्तरिक प्रशिक्षण में प्रथम)उपनिरीक्षक जितेश कुमार चैधरी को तथा उप्पल ट्रॉफी (बाहरी प्रशिक्षण में प्रथम)उपनिरीक्षक पवन कुमार को प्रदान की। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन भाषण में युवा अधीनस्थ अधिकारियों कोउनकी शानदार परेड के लिए बधाई देते हुए उनके टर्नआउट, जोश व उच्च दर्जे के प्रदर्शन की सराहना की एवं अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक तथा उनकी प्रशिक्षण टीम को बधाई दी। साथ ही महोदय ने प्रशिक्षु अधीनस्थअधिकारियों के माता-पिता को अपने बच्चों कोदेश सेवा में समर्पित करने के लिये धन्यवाद दिया।

परेड के उपरान्त श्री सेवांग नामग्याल पिपिंग सेरेमनी में प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों और उनके अभिभावकों से भी मिले। इस दीक्षांत परेड में सीमा सुरक्षा बल अकादमी में पदस्थ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और कार्मिकों के अतिरिक्त प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों के परिवारजनभी शामिल हुये। परेड के समाप्त होने के पश्चात् उपस्थित अभिभावकों तथा दर्शकों के मनोरंजन के लिये शानदार श्वान प्रदर्शन किया गया जिसका सभी दर्शकों ने बहुत आनन्द और लुत्फ उठाया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478